श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 05 ग्वालियर, बुधवार 05 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री बोले-जन आंदोलन बनाएं अभियान, तीन साल तक शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले प्राचार्यों को मिलेगा एक लाख रुपए पुरस्कार

9 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान जनभागीदारी के साथ चलाया जाएगा। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उत्सव को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया है। वे मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों के लिए पत्र लेखन सहित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। स्थानीय स्व-सहायता समूहों और उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से खादी व पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराए जाएंगे। जिलों में तिरंगा थीम पर प्रदर्शनी, रंगोली, बुनाई, मेले, कंसर्ट, ई-बाइक एवं साइकिल रैली, तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज बिक्री, तिरंगा एंथम, तिरंगा प्रश्नोत्तरी और तिरंगे के लिए स्वयंसेवा जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने प्रदेशवासियों से तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे 'हर घर तिरंगा' पोर्टल पर अपलोड करने तथा अपने सोशल मीडिया हैंडल से अभियान का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

7 अगस्त से जन-विश्वास अभियान : मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में जन-विश्वास अभियान-2026 की शुरुआत 7 अगस्त से होगी। वे छिंदवाड़ा जिले से अभियान का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने कहा कि जन विश्वास ही जन कल्याण का आधार है। सेवा प्रदायगी और सुशासन अभियान के केंद्र में रहेंगे। मंत्रियों को जिलों का भ्रमण कर आमजन से संवाद

करने और मैदानी स्तर पर हो रहे कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन साल शत-प्रतिशत परिणाम पर प्राचार्यों को पुरस्कार : मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुपूर्णिमा पर प्रदेश में महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व समारोहपूर्वक मनाया गया। इसी अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित 'मिशन बुनियाद' की शुरुआत की गई, जो प्रदेश के आठ जिलों के 500 शासकीय स्कूलों में संचालित होगा।

प्रदेश में 60 नए सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जा रहे हैं। इनके निर्माण पर सरकार करीब 25,500 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। स्कूल शिक्षा विभाग में 10 हजार शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बोर्ड परीक्षा में लगातार तीन वर्ष तक शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले प्राचार्यों को एक लाख रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। साथ ही संबंधित स्कूल में विकास कार्यों के लिए 5 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

ग्वालियर बनेगा टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग हब : मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन विकसित करने के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच नई दिल्ली में समझौता हुआ है। करीब 350 एकड़ में प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक क्लस्टर विकसित किया जाएगा। यहां मोबाइल उपकरण, नेटवर्क उपकरण, ऑप्टिकल फाइबर, सेमीकंडक्टर तथा 5जी और 6जी से संबंधित अनुसंधान एवं विकास कार्य होंगे।

परियोजना के पहले चरण के लिए केंद्र सरकार ने 493 करोड़ रुपए का केंद्रीय अनुदान स्वीकृत किया है। राज्य सरकार करीब 170 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध करा रही है, जिसका अनुमानित मूल्य 596 करोड़ रुपए है। परियोजना से आगामी वर्षों में 12 से 15 हजार करोड़ रुपए का निवेश और करीब 5 हजार रोजगार सृजित होने की संभावना है।

निशातपुरा स्टेशन पर मालवा और वेरावल एक्सप्रेस का ठहराव : मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल के निशातपुरा क्षेत्र में 14 करोड़ रुपए की लागत से चौथा रेलवे स्टेशन विकसित किया गया है। यहां मालवा एक्सप्रेस और वेरावल एक्सप्रेस का ठहराव होगा। इससे यात्रियों को भोपाल मुख्य स्टेशन जाए बिना सीधे ट्रेन सुविधा मिल सकेगी और समय की बचत होगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में नागदा-कटनी सहित अन्य स्थानों पर रेलवे बायपास के निर्माण से भी यात्रियों का समय बच रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश में एक लाख 18 हजार करोड़ रुपए लागत के नए रेलवे कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

अनुच्छेद 370 और 35ए हटने के सात साल पूरे

भोपाल जीएनएस

अनुच्छेद 370 और 35ए की समाप्ति के सात वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए की व्यवस्था समाप्त कर देश की एकता, अखंडता और संवैधानिक समानता को मजबूती प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की मूल भावना के अनुरूप केंद्र सरकार का यह निर्णय ऐतिहासिक रहा है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35ए की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख विकास, लोकतंत्र और समान अधिकारों की मुख्यधारा से जुड़े हैं।

डॉ. यादव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख अब विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता और गति के साथ महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने इस ऐतिहासिक निर्णय के सात वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।

पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र का व्यक्तित्व और कृतित्व योगदान सदैव रहेगा प्रेरणास्रोत : डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, आयुक्त जनसम्पर्क श्री मनीष सिंह, विधायकगण, मप्र विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्व. श्री

मिश्र के परिजन भी उपस्थित थे।

पुष्पांजलि कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वर्गीय पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र एक निर्भीक राजनेता के साथ उत्कृष्ट साहित्यकार, लेखक और राष्ट्रभक्त भी थे। प्रदेश के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। वे सदैव हम सबकी स्मृतियों और प्रेरणा के केंद्र में रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र का आदर्श जीवन, राष्ट्रसेवा, बौद्धिक नेतृत्व और जनकल्याण के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

राधेश्याम भाकर अध्यक्ष, विजय गोयल महामंत्री और मयंक गर्ग स्वागत अध्यक्ष निर्वाचित

80वें वर्ष में भव्य होगी ग्वालियर की रामलीला, 200 फीट ऊंची उड़ान भरेंगे हनुमान

ग्वालियर जीएनएस

श्री रामलीला समारोह समिति (रजि.), लश्कर ग्वालियर की वार्षिक साधारण सभा की बैठक रीजेंसी स्क्वायर में सत्य कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2026 के रामलीला समारोह की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का निर्वाचन भी किया गया।

समिति के कार्यक्रम संयोजक रमेश अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष श्री रामलीला समारोह 10 से 21 अक्टूबर तक रामलीला मैदान, फूलबाग प्रांगण में आयोजित होगा। वृंदावन की श्री हित राधा कृष्ण कला मंडली द्वारा चंद्र बिहारी वशिष्ठ एवं देवेंद्र वशिष्ठ के निर्देशन में रामलीला का मंचन किया जाएगा। इस वर्ष रामलीला मंचन का 80वां वर्ष होने के कारण कई विशेष आकर्षण जोड़े जा रहे हैं।

200 फीट ऊंची उड़ान भरेंगे हनुमान : समिति के अनुसार इस वर्ष कई वर्षों बाद रामलीला में हनुमान जी का विशेष प्रसंग आकर्षण का केंद्र रहेगा। हनुमान जी 200 फीट ऊंची उड़ान भरकर संजीवनी बूटी लाने का दृश्य प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा केवट संवाद की लीला का मंचन इस बार वीर सावरकर सरोवर या बैजाताल पर किए जाने की योजना

है। 9 अक्टूबर को सुंदरकांड पाठ के साथ रामलीला समारोह का शुभारंभ होगा। 20 अक्टूबर को दशहरा चल समारोह अचलेश्वर मंदिर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए फूलबाग मैदान पहुंचेगा। यहां रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाएगा। 21 अक्टूबर को श्रीराम राज्याभिषेक की लीला का मंचन होगा और इसके बाद विशाल आतिशबाजी की जाएगी।

सिंधिया बनाए गए मुख्य संरक्षक : समिति के सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को समिति का मुख्य संरक्षक मनोनीत किया है। बैठक में वर्ष 2025 का आय-व्यय पत्रक और वर्ष 2026 का अनुमानित बजट भी प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।

नई कार्यकारिणी निर्वाचित : वर्ष 2026-27 के लिए चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव महेश गोयल के मार्गदर्शन में कार्यकारिणी का निर्वाचन हुआ। सर्वसम्मति से राधेश्याम भाकर को अध्यक्ष, विजय गोयल को महामंत्री, मयंक गर्ग को स्वागत अध्यक्ष, राजकुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष और पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल को कार्यक्रम संयोजक निर्वाचित किया गया। अन्य पदाधिकारियों के मनोनयन का अधिकार अध्यक्ष को सौंपा गया है, जिनकी घोषणा शीघ्र की जाएगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राधेश्याम भाकर ने कहा कि रामलीला के 80वें वर्ष को विशेष बनाने के लिए आकर्षक लीलाओं का मंचन किया जाएगा। उन्होंने शहर के धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रामलीला का लाभ उठाने की अपील की। बैठक का संचालन राम नारायण मिश्रा ने किया तथा आभार महामंत्री विजय गोयल ने व्यक्त किया। बैठक में समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

समस्त सह चिकित्सकीय कर्मचारी सेवा संघ का गठन एवं कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर अधिष्ठाता को सौंपा गया ज्ञापन

शिवपुरी, जीएनएस।
श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, जिला शिवपुरी में कार्यरत सह-चिकित्सकीय कर्मचारियों के हितों के संरक्षण एवं उनके सेवा संबंधी मुद्दों के समाधान हेतु ÷समस्त सह चिकित्सकीय कर्मचारी सेवा संघ (चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं)÷ का गठन किया गया है। संघ का पंजीकरण मध्यप्रदेश सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1973 के अंतर्गत दिनांक 24 जुलाई 2026 को विधिवत कराया गया है।

संघ के प्रतिनिधिमंडल ने आज अधिष्ठाता महोदया को ज्ञापन सौंपकर चिकित्सा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित एवं न्यायोचित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की।

समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों के कर्मचारियों को यूनिक एम्प्लॉयी कोड प्रदान किया जाए।कर्मचारियों की पदोन्नति, वरिष्ठता, नियमित डीपीसी एवं सेवा संबंधी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

रिक्त स्वीकृत पदों पर नियमित भर्ती एवं आवश्यकता अनुसार नवीन पदों का सृजन किया जाए।

जोखिम भत्ता, रात्रिकालीन ड्यूटी, ओवरटाइम सहित स्वीकृत समस्त भत्तों का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

चिकित्सा शिक्षा विभाग में पारदर्शी एवं स्पष्ट स्थानांतरण नीति लागू की जाए।

कर्मचारियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण, बेहतर कार्य वातावरण एवं पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

स्थायी शिकायत निवारण समिति का गठन कर कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए।

संघ ने प्रशासन से कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

अधिष्ठाता महोदया जी को ज्ञापन देने हेतु संघ के प्रतिनिधि मंडल में मेडिकल कॉलेज के समस्त पद अधिकारी डॉ नरेंद्र, विक्रम सिंह भदोरिया, पवन दुबे, रामेश्वर जोशी,मनोज रावत, कृष्णा गुप्ता,सिद्दीक़ खान, सूरज, रुक्मणि श्रीवास्तव जी धाकड़,सतेंद्र यादव,विकाश सिंग,कमलेश सेंगर,बमलेश जाटव,रामशंकर वर्मा,सुरेश चौधरी,दीप कुमार मिश्रा,प्रवीण,धर्मेंद्र कुशवाह,दीप्ति मित्तल,रजनीगंधा प्रधान,अरविंद शाक्य,आयुषी श्रीवास्तव प्रदीप किरारे, नरेंद्र लिखारिया, साबिर अली खान,मनीष मांझीऔर समस्त कार्यकारिणी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण ऑफिस जनसुनवाई में हितग्राहीयो की समस्याओं का निराकरण कराया सुधीर गुप्ता वाइस चेयरमैन ग्वालियर विकास प्राधिकरण द्वारा

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर विकास प्राधिकरण ऑफिस में वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता द्वारा जनसुनवाई में समस्याओं का निराकरण किया जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है 14 प्रकरणों में छह का निराकरण तत्काल किया गया साथी जनसुनवाई मे विकास प्राधिकरण के बीस कर्मचारियों को समय मान वेतन देने के लिए अकाउंट ऑफिसर को कमेटी बनाकर निराकरण के निर्देश दिए चार प्रकरण मे नामांकन किया गया बाकी प्रकरणों में समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित प्रभावी एवं संतोषजनक निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर डी. डी. मिश्रा, संपदा अधिकारी बृजेश शर्मा, ई.ई. सुनील शुक्ला अकाउंट ऑफिसर, तकनीक शाखा प्रभारी,वरिष्ठ लेखा अधिकारी, ऑफिस सुपरिटेंडेंट, प्रभारी भूखंड, संदीप तिवारी प्रभारी भूखंड शाखा मनोज माथुर, अशोक इंग्ले सहित सेक्सन के विभाग प्रमुख एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे

लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन द्वारा किया गया रुद्राभिषेक एवं अन्नपूर्णा सेवा का आयोजन

ग्वालियर, जीएनएस।
सावन माह के प्रथम सोमवार, 3 अगस्त 2026 को लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन इंटरनेशनल 2026-27 द्वारा गायत्री मंदिर में भगवान शिव का भव्य रुद्राभिषेक एवं पूजन-अर्चन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब की सदस्याओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ भाग लेकर भगवान शिव से सभी के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

रुद्राभिषेक के उपरांत दोपहर लगभग 12 बजे जयारोग्य चिकित्सालय (जे.ए.एच.) परिसर में जरूरतमंद एवं गरीबजनों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत लगभग 200 से अधिक लोगों को भोजन वितरित किया गया। भोजन प्राप्त कर लाभार्थियों ने क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन नीतू अग्रवाल, क्लब मेंटोर लायन राका पाठक, आर.सी. लायन नीरज जैन एवंआई पीपी लायन पूनम अग्रवाल मार्गदर्शन में यह घोषणा की गई कि अन्नपूर्णा सेवा का यह सेवा प्रकल्प पूरे वर्ष नियमित रूप से संचालित किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन एवं सेवा पहुँचाने का सतत प्रयास किया जाएगा।

?? अन्नपूर्णा सेवा प्रकल्प ? वर्षभर की संयोजक मंडल ??
? लायन निधि बंसल
? लायन शारदा गोयल
? लायन सुमित्रा अग्रवाल

क्लब की अध्यक्ष लायन नीतू अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में लायन लता उपाध्याय (सचिव), लायन स्वाति अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), लायन ज्योति बंसल (संयुक्त सचिव), लायन दीपिका मित्तल (संयुक्त कोषाध्यक्ष), लायन पिंकी बंसल, लायन साधना गुप्ता, लायन समता जैन, लायन अनु अग्रवाल, लायन मधु अग्रवाल, लायन कामिनी गोयल, लायन पूजा अग्रवाल, लायन साधना अग्रवाल, लायन उषा गुप्ता, लायन ममता अग्रवाल, लायन निधि बंसल, लायन शारदा गोयल, लायन शशि प्रभा, लायन गायत्री गर्ग, लायन सुमित्रा अग्रवाल, लायन अनुपमा गोयल सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी सदस्याओं का विशेष सहयोग रहा। लायंस क्लब ग्वालियर क्वीन इंटरनेशनल समाजसेवा, धार्मिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से निरंतर समाजहित में कार्य कर रहा है। अन्नपूर्णा सेवा प्रकल्प के माध्यम से क्लब वर्षभर जरूरतमंदों की सेवा हेतु समर्पित रहेगा।

स्टेडियम के लिए आवंटित भूमि पर अतिक्रमण कर मुक्ति बनाने का किया जा रहा प्रयास

तहसीलदार ने लगाई रोक, थाना प्रभारी करैरा को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य तत्काल कार्य रुकवाने के दिए आदेश

डा.भूपेन्द्र विकल
शिवपुरी। जिले के करैरा क्षेत्र में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नवीन खेल परिसर निर्माण को लेकर भूमि आवंटित की गई थी लेकिन इस आवंटित भूमि पर अतिक्रमणकारियों के हौंसले बुलंद है और यहां खेल भूमि पर जबरन मुक्तिधाम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह मामला जब तहसीलदार करैरा के संज्ञान में आया तब तत्काल तहसीलदार के द्वारा इस निर्माण पर रोक लगाते हुए स्थगन आदेश पारित किया गया। मामले की जांच राजस्व विभाग के द्वारा की जा रही है।

जानकारी के अनुसार करैरा तहसील के ग्राम श्योपुर में खेल मैदान के लिए सुरक्षित शासकीय भूमि पर किए जा रहे निर्माण कार्य को लेकर तहसीलदार करैरा ने स्थगन आदेश जारी किया है। साथ ही थाना प्रभारी करैरा को मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य तत्काल रुकवाने एवं आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

सरस्वती नगर पार्क, द्वारकाधीश पार्क और आलापुर डिवाइडर पर 1000 पौधों का किया रोपण

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर को हरा-भरा और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में विशेष मुहिम के तहत सरस्वती नगर पार्क, द्वारकाधीश पार्क एवं आलापुर डिवाइडर पर वृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया गया। नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल ने बताया कि शहर में वृहद रूप से पौधा रोपण अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसके तहत पार्को, डिवाइडरों एवं खुली भूमि पर पौधारोपण किया जा रहा है। अभियान के दौरान आज उद्यान पर्यवेक्षक श्री राजकुमार नगर एवं उनकी टीम के द्वारा विभिन्न प्रजातियों के सरस्वती नगर पार्क, द्वारकाधीश पार्क एवं आलापुर डिवाइडर 1000 पौधे रोपे गए। लगाए गए सभी पौधों की नियमित सिंचाई और सुरक्षा की भी पुख्ता व्यवस्था की जाएगी, ताकि ये पौधे तेजी से पनप सकें।

सुरक्षा की दृष्टि से पेड़ों को काटने की अनुमति शर्तो के साथ दी

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम ग्वालियर के पार्क विभाग द्वारा सहायक मंडल इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे ग्वालियर को वृक्ष काटने की अनुमति आवश्यक शर्तो के साथ प्रदान की है। नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि सहायक मंडल इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे ग्वालियर द्वारा ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर-1 के बाहर गणेश मंदिर के पास स्थित 6 नग वृक्षों को जीर्णशीर्ण अवस्था में होने से संभावित दुर्घटना के दृष्टिगत काटने की अनुमति चाही गई थी। पार्क पर्यवेक्षक द्वारा उक्त स्थल का निरीक्षण कर 06 वृक्षों को काटने की अनुमति शर्तो के साथ दी।

शर्तो के अनुसार पेडों को काटते एवं छांटते समय यदि किसी प्रकार की जनहानि एवं दुर्घटना घटित होती है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित आवेदक की होगी, नगर निगम ग्वालियर इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा। वृक्ष को काटते अथवा छांटते समय यदि किसी भी प्रकार का जनाक्रोश या आपत्ति होती है तो अनुमति आदेश स्वतः ही निरस्त माना जाएगा। अनुमति की वैधता 45 दिवस तक मान्य होगी। 45 दिवस उपरांत अनुमति स्वतः निरस्त मानी जाएगी। उक्त काटे गए वृक्षों के क्षतिपूरक 10 गुणा पेडों को निगम सीमा अंतर्गत लगाने एवं लगाते हुए के फोटो एवं उक्त पेडों का 03 वर्ष तक संधारण करने संबंधित शपथ पत्र उद्यान कार्यालय में प्रस्तुत करने उपरांत ही उक्त अनुमति प्रभावषील होगी। काटी गई लकडियां, धर्म कांटा तौल रसीद के साथ उद्यान विभाग नगर निगम में जमा कराना अनिवार्य होगा। वृक्ष अधिकारी द्वारा आवेदन एवं फोटो के अनुसार भवन में बाधक पेड एवं शाखाओं को काटते एवं छांटने से संबंधित अनुमति दी गई है। यदि इसके अतिरिक्त किसी अन्य पेड़ की शाखा को काटते एवं छांटने का कार्य किया गया तो आवेदक के विरुद्ध मध्यप्रदेश वृक्ष परिरक्षण अधिनियम 2001 के तहत कार्यवाही की जाएगी। काटी गई लकडिया उद्यान विभाग नगर निगम के उद्यान विभाग में जमा कराना अनिवार्य होगा।

श्रवण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्रेटर ग्वालियर का शपथ ग्रहण एवं स्थापना दिवस समारोह संपन्न

ग्वालियर। श्रमण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्वालियर संस्था का शपथ ग्रहण एवं स्थापना दिवस होटल शगुन में मनाया गया। जिसमे नवीन अध्यक्ष वीरेंद्र जैन, सचिव नेमीचन्द्र जैन ओर कोषाध्यक्ष नीतू जैन सहित नवीन टीम को शपथ दिलाई गई। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि श्रीमान नत्थीलाल जैन वरिष्ठ पत्रकार थे। वहीं विशिष्ट अतिथि मनोज जैन रायरू(संयुक्त अध्यक्ष अखिल भारतीय दिगंबर जैन वरैया महासभा), संस्थापक अध्यक्ष भरत जैन वैरागी तथा शपथ अधिकारी धर्मेंद्र जैन आगरा रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। संस्थापक अध्यक्ष पंडित भरत जैन विरागी ने संस्था के 11 वे स्थापना दिवस पर सभी अतिथियों और सदस्यों का हृदय से स्वागत करते हुए सभी का आभार ज्ञापित किया। मंच का संचालन करते हुए श्रीमती अनुपमा सुरतन् ने महावीर वंदना किया।

नवजात के जीवन की पहली सुरक्षा है माँ का दूध

ग्वालियर, जीएनएस। प्रदेश में नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उनके स्वर्णिम भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 से 7 अगस्त तक प्रदेश में %विश्व स्तनपान सप्ताह 2026% का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष वैश्विक स्तर पर अभियान की थीम ÷जीवन की सतत शुरुआत के लिए स्तनपान~ जो प्रभावी है, उसे और सुदृढ़ करें÷ निर्धारित की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के समन्वय से आयोजित इस विशेष सप्ताह का मुख्य ध्येय प्रदेश में स्तनपान के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना और माताओं को वैज्ञानिक पोषण संबंधी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

प्रदेश के नवजात शिशुओं के लिए पहला गाढ़ा पीला दूध है कुदरती सुरक्षा कवच शिशु के जन्म के तुरंत बाद पहला घंटा उसके जीवन की स्वस्थ शुरुआत तय करता है। जन्म के समय माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध, जिसे कोलोस्ट्रम या खीस कहा जाता है, नवजात के लिए पहला प्राकृतिक टीका है। प्रदेश के स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, विटामिन और आवश्यक खनिज तत्वों से भरपूर यह दूध शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करता है और उसे कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखता है।

शुरुआती छह महीनों तक केवल माँ का दूध ही सर्वोत्तम और संपूर्ण आहार

शिशु के जन्म से लेकर प्रथम छह माह की आयु तक उसे केवल और केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए। इस अवधि में बच्चे को पानी, घुट्टी, शहद या अन्य कोई भी तरल पदार्थ देने की आवश्यकता नहीं होती। माँ का दूध शिशु के लिए पूरी तरह से स्वच्छ, सुरक्षित और संपूर्ण आहार है, जो उसके शुरुआती शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए पूरी तरह पर्याप्त है।

सही पूरक आहार के साथ दो वर्षों तक स्तनपान जारी रखना आवश्यक

बच्चे की उम्र छह माह पूरी होने पर उसे आयु-उपयुक्त पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए। पूरक आहार की शुरुआत के साथ कम से कम दो वर्ष या उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखना शिशु के समुचित पोषण, शारीरिक विकास और मानसिक परिपक्वता के लिए बेहद ज़रूरी माना गया है। स्तनपान का लाभ केवल शिशु के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृ स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही हितकारी है। नियमित स्तनपान कराने से माताओं को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं और यह प्रक्रिया माँ एवं शिशु के बीच एक गहरा भावनात्मक और आत्मीय संबंध स्थापित करती है।

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों के आंगनवाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से सघन जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा।

इस दौरान गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए परामर्श सत्र आयोजित होंगे। इसके साथ ही ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस, गृह भेंट, टेक-होम राशन (ञ्ञ्ज्ञ्क्र) वितरण, रैलियों और सामुदायिक बैठकों के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक परिवार तक स्तनपान का वैज्ञानिक संदेश पहुँचाया जाएगा।

स्वस्थ मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की अपील

महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। प्रदेश के प्रत्येक नवजात को जीवन की एक स्वस्थ शुरुआत देने के लिए स्तनपान को बढ़ावा दें और माताओं के लिए एक सहयोगात्मक तथा अनुकूल वातावरण तैयार करने में अपना योगदान दें।

प्यार के रंगों में सजा रोमांटिक गीत ‘हूं मैं तेरी रानी’ हुआ रिलीज

जय सिंह रघुवंशी

प्रेम की खूबसूरत भावनाओं को समेटे नया रोमांटिक गीत %हूं मैं तेरी रानी% रिलीज़ हो गया है। मधुर संगीत, भावपूर्ण बोल और शानदार दृश्यांकन से सजा यह गीत प्यार की मासूमियत और गहराई को बेहद खूबसूरती से बयां करता है।

गीत को मुस्कान गौतम और मंजुला पटनायक ने अपनी सुरीली आवाज़ से सजाया है, जबकि इसके बोल और संगीत सतीश त्रिपाठी ने तैयार किए हैं। %हूं मैं तेरी रानी% का निर्माण और निर्देशन अश्विन महाराज ने किया है। वहीं, म्यूज़िक वीडियो में गुंग सिंटा और अश्विन महाराज की दिल छू लेने वाली केमिस्ट्री गीत को और भी खास बनाती है। आनंद भाकुनी की आकर्षक कोरियोग्राफी रोमांटिक कहानी को खूबसूरती से पर्दे पर उतारती है। भावनाओं, संगीत और बेहतरीन प्रस्तुति का संगम %हूं मैं तेरी रानी% दर्शकों और संगीत प्रेमियों के दिलों में अपनी खास जगह बनाने के लिए तैयार है।

निगमायुक्त ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर सभी अधिकारी गंभीरता से करें कार्य

ग्वालियर, जीएनएस। आगामी 7 अगस्त से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत सीएम हेल्प लाइन प्रकरण, जनसुनवाई एंव लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों की समीक्षा होगी तथा उनका निराकरण किया जाएगा तथा अभियान के दौरान प्रत्येक शुक्रवार को सभी संबंधित अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में भ्रमण कर समस्याओं का निराकरण करायेंगे। उक्ताशय के निर्देष नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने आज समय सीमा बैठक में विभागीय प्रकरणां की समीक्षा करते हुए एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक में दिए।

निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर एवं श्री मुनीष सिकरवार, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, श्री सुनील चौहान सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीएम हेल्प लाइन शिकायत को अटेंड नहीं करने पर 5 शिकायतें नोन अटेंडेंट रहने पर कार्यपालन यंत्री श्री राजीव सिंघल, 03 शिकायत नोन अटेंडेंट रहने पर क्षेत्राधिकारी श्री अभय तोमर, 02 शिकायत नोन अटेंडेंट रहने पर सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचन्द्र धोलपुरिया को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही यह भी निर्देष दिए कि जिनकी एक से अधिक शिकायतें नोन अटेंडेंट हैं उन्हें नोटिस जारी किए जाऐं। साथ ही 100 दिवस से अधिक की लंबिति षिकायतें रहने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देष दिए गए तथा सहायक नोडल जनकल्याण श्री प्रसांत बरैया एवं पीएचई लिपिक श्री संजय खेमरिया को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए गए। वहीं सड़क निर्माण की समीक्षा की गई तथा यह निर्देष दिए गए कि जो सडकें लगभग 80-85 प्रतिषत पूर्ण हो चुकी हैं उन्हें तत्काल पूर्ण कर कार्य समाप्त करें। साथ ही निर्माण कार्य में लापरवाही पर सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए गए। वहीं जल भराव वाले स्थानों की जानकारी ली तथा गतिशील कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही नाला अतिक्रमण की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन नालों पर अतिक्रमण के कारण यदि कहीं जल भराव हुआ तो संबंधित भवन अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही अवैध कॉलोनियों को लेकर कार्यवाही करने हेतु ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देष दिए तथा जीर्ण शीर्ण भवन को लेकर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देष दिए।

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने जूनियर और सब-जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय स्तर के खिताब जीते

ग्वालियर, जीएनएस। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित चतुर्थ हॉकी इंडिया जूनियर एवं सब-जूनियर वूमेन अकादमी नेशनल चैंपियनशिप-2026 के दोनों वर्गों के फाइनल मुकाबलों में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए। सोमवार को श्रीमंत राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर, कंपू में आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

चैंपियनशिप में देशभर की 25 टीमों ने भाग लिया। सब-जूनियर वर्ग के फाइनल में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी और प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी, सोनीपत के बीच निर्धारित समय

तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। इसके बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने 3-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस मुकाबले में कु. परिधि को %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया। जूनियर वर्ग के फाइनल में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी ने प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी, सोनीपत को 3-2 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस मुकाबले में कु. कनक पाल को %प्लेयर ऑफ द मैच% घोषित किया गया। सब-जूनियर वर्ग के तीसरे स्थान के मुकाबले में राजा करण हॉकी अकादमी ने चीमा हॉकी अकादमी को 4-3 से हराया।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

उपचुनावों के परिणाम भाजपा को सोचने पर मजबूर करेंगे

बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों ने कुछ को चौंकाया है, तो कुछ को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। आमतौर पर उपचुनावों में मतदाता सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के पक्ष में मतदान करते रहे हैं। इस तर्क के आधार पर बांकीपुर में भाजपा ही मतदाताओं की पहली पसंद होनी चाहिए थी, लेकिन परिणाम इसके विपरीत रहे। ऐसा नहीं है कि सत्तारूढ़ दल के उम्मीदवार कभी उपचुनाव हारते नहीं हैं; लेकिन भाजपा के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय घटा हुआ वोट-शेयर होना चाहिए। इस विधानसभा क्षेत्र से पार्टी ने लगातार नौ चुनाव जीते थे और प्रत्येक चुनाव में उसे 60 प्रतिशत से अधिक मत मिले थे, जबकि हालिया उपचुनाव में उसका मत-प्रतिशत घट गया है। यह नवगठित जन सुराज पार्टी (जेएसपी) से भी अधिक प्रशांत किशोर की जीत मानी जाएगी, क्योंकि 2025 के बिहार चुनाव में जेएसपी अपना प्रभाव छोड़ने में विफल रही थी। तब पार्टी सभी सीटों पर हार गई थी और उसे केवल 3.5 प्रतिशत मत मिले थे। भले ही गुजरात की मंजलपुर सीट पर भाजपा भारी वोट-शेयर हासिल कर अपनी जीत का जश्न मना सकती है, लेकिन मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर उसे एक और झटका लगा, जहां कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को पराजित किया। वैसे दतिया की सीट पहले भी कांग्रेस के पास थी और चुनाव में कांग्रेस केवल अपनी सीट बचाने में सफल रही है। लेकिन बांकीपुर भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है। 1995 के बाद से पार्टी इस सीट पर कभी पराजित नहीं हुई थी। पिछले पांच वर्षों के उपचुनावों के आंकड़े बताते हैं कि इस अवधि में सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों की सफलता दर 78 प्रतिशत रही, जबकि विपक्ष कुछ ही उपचुनाव जीत सका और उसकी सफलता दर 22 प्रतिशत रही। यह भी उल्लेखनीय है कि इन तीन उपचुनावों से पहले इसी साल सात और सीटों पर उपचुनाव हुए थे और सभी सीटें सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों ने जीती थीं। इनमें पांच भाजपा/एनडीए और दो कर्नाटक में कांग्रेस के खाते में गई थीं। 2025 में 15 सीटों पर उपचुनाव हुए, जिनमें सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों ने नौ पर जीत दर्ज की, जबकि विपक्षी उम्मीदवार छह सीटों पर विजयी रहे। 2024 में 86 सीटों पर उपचुनाव हुए थे। इनमें से 69 पर सत्तारूढ़ दलों/गठबंधनों ने जीत हासिल की, जबकि विपक्षी उम्मीदवार 17 सीटें जीत सके थे। इसकी एक स्वाभाविक वजह यह मानी जाती है कि मतदाता ऐसे उम्मीदवार को चुनना चाहते हैं, जो उनके काम आसानी से करा सके और सत्तारूढ़ दल का उम्मीदवार उन्हें इसके लिए उपयुक्त विकल्प लगता है। लेकिन भाजपा के लिए बांकीपुर की हार कई सवाल खड़े करती है। इस सीट का पहली बार वर्ष 1995 में प्रतिनिधित्व वर्तमान भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने किया था। उन्होंने जनता दल के रामानंद यादव को तीन प्रतिशत से भी कम मतों के अंतर से हराकर यह सीट जीती थी। इसके बाद से भाजपा ने इस सीट पर लगातार अपना कब्जा बनाए रखा। 1995 से 2006 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा ने ही किया। उनके निधन के बाद हुए 2006 के उपचुनाव में नितिन नवीन यहां से चुने गए। नितिन नवीन ने इस विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांच चुनाव जीते हैं। 2006 के उपचुनाव में उन्हें रिकॉर्ड 82 प्रतिशत मत मिले थे। उसके बाद भी उन्होंने लगभग हर चुनाव में 60 प्रतिशत से अधिक मत हासिल किए।

अनस्कूलिंग आंदोलन : जीवन भर सीखने की नई दिशा

डॉ विजय गर्ग

सदियों से विद्यालय को शिक्षा का सबसे विश्वसनीय माध्यम माना जाता रहा है। बच्चे स्कूल जाते हैं, निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ते हैं, परीक्षाएँ देते हैं और एक कक्षा से दूसरी कक्षा में आगे बढ़ते हैं। लेकिन बदलती दुनिया के साथ शिक्षा की अवधारणाएँ भी बदल रही हैं। आज एक ऐसा शैक्षिक आंदोलन तेजी से चर्चा में है, जिसे ÷अनस्कूलिंग÷ कहा जाता है। यह शिक्षा से दूर जाने का विचार नहीं है, बल्कि सीखने को जीवन, अनुभव और जिज्ञासा से जोड़ने का एक नया दृष्टिकोण है।

अनस्कूलिंग का मूल सिद्धांत यह है कि हर बच्चा स्वभाव से जिज्ञासु होता है और यदि उसे सही वातावरण, संसाधन और मार्गदर्शन मिले, तो वह अपनी रुचि के अनुसार प्रभावी ढंग से सीख सकता है। इसमें सीखना किसी निश्चित समय-सारिणी, पाठ्यपुस्तक या परीक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवन के हर अनुभव से जुड़ा होता है।

अनस्कूलिंग और होमस्कूलिंग को अक्सर एक ही समझ लिया जाता है, जबकि दोनों में अंतर है। होमस्कूलिंग में माता-पिता घर पर ही स्कूल जैसा पाठ्यक्रम पढ़ाते हैं, जबकि अनस्कूलिंग में बच्चे की रुचि ही उसका पाठ्यक्रम बन जाती है। यदि किसी बच्चे को अंतरिक्ष में रुचि है, तो वह ग्रहों, तारों, गणित, भौतिकी और इतिहास के बारे में स्वयं खोजते हुए सीख सकता है। यदि उसे खाना बनाने का शौक है, तो वह विज्ञान, पोषण, गणित और संस्कृति का ज्ञान भी उसी प्रक्रिया में प्राप्त कर सकता है।

आज के डिजिटल युग ने अनस्कूलिंग को नई शक्ति दी है। इंटरनेट, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, डिजिटल पुस्तकालय, शैक्षिक वीडियो, पॉडकास्ट, वर्चुअल संग्रहालय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म ने सीखने की संभावनाओं को असीमित बना दिया है। अब ज्ञान केवल स्कूल की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया का हर कोना एक कक्षा बन सकता है।

शैक्षिक मनोविज्ञान भी इस बात का समर्थन करता है कि जब बच्चे अपनी रुचि से सीखते हैं, तो उनकी समझ अधिक गहरी होती है और वे सीखी हुई बातों को लंबे समय तक याद रखते हैं। अनस्कूलिंग इसी आंतरिक प्रेरणा को बढ़ावा देती है। यहाँ बच्चों पर केवल अंक प्राप्त करने का दबाव नहीं होता, बल्कि वे सीखने का आनंद लेते हैं।

अनस्कूलिंग का एक बड़ा लाभ यह है कि यह जीवनोपयोगी कौशलों का विकास करती है। बच्चे समस्या-समाधान, निर्णय लेने, रचनात्मक सोच, संवाद कौशल, नेतृत्व, समय प्रबंधन, आर्थिक समझ और सहयोग जैसे गुण वास्तविक जीवन के अनुभवों से सीखते हैं। वे केवल जानकारी याद नहीं करते, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाना सीखते हैं।

इस पद्धति का एक अन्य सकारात्मक पक्ष यह है कि इससे परीक्षा, रैंक और अंकों की अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से उत्पन्न तनाव कम हो सकता है। यहाँ सफलता का मापदंड केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि ज्ञान, समझ, जिज्ञासा और व्यक्तिगत विकास होता है।

हालाँकि, अनस्कूलिंग को लेकर कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी उठते हैं। आलोचकों का मानना है कि यदि कोई निश्चित पाठ्यक्रम न हो, तो बच्चे गणित, भाषा, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे बुनियादी विषयों में कमजोर रह सकते हैं। कुछ लोग यह भी पूछते हैं कि ऐसे बच्चे उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं या रोजगार की दुनिया में कैसे आगे बढ़ेंगे। सामाजिक मेल-जोल और अनुशासन को लेकर भी चिंताएँ व्यक्त की जाती हैं।

इन प्रश्नों का उत्तर यह है कि सफल अनस्कूलिंग केवल स्वतंत्रता का नाम नहीं है। इसमें माता-पिता या मार्गदर्शकों की सक्रिय भूमिका होती है। उन्हें ऐसा वातावरण तैयार करना होता है जहाँ बच्चे को सीखने के अवसर मिलें, आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों और समय-समय पर उचित दिशा-निर्देश भी प्राप्त हों। स्वतंत्रता और जिम्मेदार मार्गदर्शन का संतुलन ही अनस्कूलिंग की सफलता की कुंजी है।

आज की दुनिया तेजी से बदल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और स्वचालन के कारण अनेक पारंपरिक नौकरियाँ बदल रही हैं। भविष्य में सबसे अधिक आवश्यकता उन लोगों की होगी जो नई परिस्थितियों में स्वयं सीख सकें, रचनात्मक ढंग से सोच सकें और बदलती चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें। अनस्कूलिंग इसी प्रकार के आजीवन शिक्षार्थी तैयार करने का प्रयास करती है।

फिर भी, यह स्वीकार करना आवश्यक है कि अनस्कूलिंग हर बच्चे के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती। कुछ बच्चे संरचित विद्यालयी वातावरण में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जबकि कुछ स्वतंत्र वातावरण में अपनी प्रतिभा को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित करते हैं। इसलिए शिक्षा का उद्देश्य किसी एक मॉडल को श्रेष्ठ सिद्ध करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे की क्षमता, रुचि और आवश्यकता के अनुरूप सीखने के अवसर उपलब्ध कराना होना चाहिए।

अंततः, शिक्षा का वास्तविक अर्थ केवल परीक्षा पास करना या प्रमाणपत्र प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य ऐसे जिम्मेदार, संवेदनशील, जिज्ञासु और विवेकशील नागरिक तैयार करना है, जो जीवन भर सीखते रहें और समाज के विकास में योगदान दें।

अनस्कूलिंग आंदोलन हमें यह महत्वपूर्ण संदेश देता है कि सीखना स्कूल की घंटी से शुरू नहीं होता और न ही डिग्री मिलने पर समाप्त हो जाता है। वास्तविक शिक्षा जीवन के हर अनुभव, हर प्रश्न, हर चुनौती और हर नई खोज के साथ निरंतर चलती रहती है। यही आजीवन सीखने की संस्कृति भविष्य के समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

वैज्ञानिकों की खोज से मांसपेशियों के पुनर्निर्माण को मिल सकती है नई गति

डॉ विजय गर्ग

बुढ़ापा जीवन का एक स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ शरीर में कई बदलाव भी आते हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक है मांसपेशियों की ताकत और उनके स्वयं को ठीक करने की क्षमता का धीरे-धीरे कम होना। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं, जिससे चलना-फिरना, सीढ़ियां चढ़ना, वजन उठाना और सामान्य दैनिक कार्य करना कठिन हो जाता है। यही कारण है कि बुजुर्गों में गिरने, चोट लगने और हड्डियां टूटने का खतरा अधिक रहता है।

हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसे यौगिक की खोज की है, जो उम्रदराज़ मांसपेशियों की मरम्मत और पुनर्जनन की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। यह खोज अभी शुरुआती शोध के चरण में है, लेकिन इससे भविष्य में करोड़ों बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने की उम्मीद जगी है।

उम्र के साथ मांसपेशियां क्यों कमजोर होती हैं

लगभग 30 वर्ष की आयु के बाद शरीर की मांसपेशियों का द्रव्यमान और शक्ति धीरे-धीरे कम होने लगती है। 60 वर्ष के बाद यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है। इस स्थिति को सार्कोपीनिया कहा जाता है।

इसके पीछे कई कारण होते हैं, जैसे–

- शारीरिक गतिविधियों में कमी।
- हार्मोनल परिवर्तन।
- लंबे समय तक रहने वाली सूजन
- पौष्टिक भोजन की कमी।
- मांसपेशियों की मरम्मत करने वाली स्टेम कोशिकाओं की सक्रियता में कमी।

युवा अवस्था में ये स्टेम कोशिकाएं चोट लगने पर तेजी से नई मांसपेशियां बनाती हैं, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ उनकी कार्यक्षमता कम हो जाती है। परिणामस्वरूप चोटों को ठीक होने में अधिक समय लगता है और मांसपेशियां धीरे-धीरे कमजोर होती जाती हैं।

नई वैज्ञानिक खोज क्या कहती है

वैज्ञानिकों ने एक ऐसे यौगिक की पहचान की है, जो उम्रदराज़ मांसपेशियों में मौजूद स्टेम कोशिकाओं को फिर से सक्रिय करने में मदद कर सकता है। प्रयोगशाला और पशुओं पर किए गए शुरुआती अध्ययनों में पाया गया कि इस यौगिक के प्रयोग से मांसपेशियों की मरम्मत की गति बढ़ी और नई मांसपेशी कोशिकाओं के निर्माण में सुधार हुआ।

हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह शोध अभी प्रारंभिक अवस्था में है। मनुष्यों पर इसके प्रभाव, सुरक्षा और दीर्घकालिक परिणामों का पता लगाने के लिए व्यापक क्लिनिकल परीक्षण आवश्यक होंगे।

संभावित लाभ

यदि भविष्य में यह यौगिक सुरक्षित और प्रभावी सिद्ध होता है, तो इसके अनेक लाभ हो सकते हैं–

- बुजुर्गों में मांसपेशियों की चोटों से जल्दी उबरने में सहायता।
- मांसपेशियों की ताकत और सहनशक्ति में वृद्धि।
- ऑपरेशन या हड्डी टूटने के बाद बेहतर पुनर्वास।
- गिरने और गंभीर चोटों का जोखिम कम होना।
- लंबे समय तक स्वतंत्र और सक्रिय जीवन जीने की क्षमता।
- वृद्धावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं पर आर्थिक बोझ में कमी।

केवल लंबी उम्र नहीं, स्वस्थ उम्र भी महत्वपूर्ण

आधुनिक चिकित्सा ने मनुष्य की औसत आयु बढ़ा दी है। लेकिन केवल अधिक वर्षों तक जीवित रहना ही पर्याप्त नहीं है। अधिक महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति उन वर्षों को स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर होकर जी सके।

इसी सोच के कारण वैज्ञानिक अब ÷हेल्थस्पैन÷ पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, अर्थात जीवन का वह समय जब व्यक्ति गंभीर बीमारी या विकलांगता से मुक्त रहकर स्वस्थ जीवन व्यतीत करता है।

मजबूत मांसपेशियां केवल चलने-फिरने के लिए ही नहीं, बल्कि हृदय स्वास्थ्य, हड्डियों की मजबूती, संतुलन, चयापचय और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं।

अभी भी कई चुनौतियां बाकी हैं

हालांकि यह खोज उत्साहजनक है, लेकिन नई दवा या उपचार विकसित करना एक लंबी प्रक्रिया होती है। वैज्ञानिकों को अभी यह सुनिश्चित करना होगा कि–

- यह यौगिक लंबे समय तक उपयोग के लिए सुरक्षित है या नहीं।
- इसकी उचित मात्रा क्या होगी।
- इसके संभावित दुष्प्रभाव क्या हो सकते हैं।
- किन लोगों को इससे सबसे अधिक लाभ मिलेगा।
- क्या इसके सकारात्मक प्रभाव लंबे समय तक बने रहेंगे।

इन सभी प्रश्नों के उत्तर मिलने के बाद ही इसे व्यापक रूप से चिकित्सा में शामिल किया जा सकेगा।

स्वस्थ जीवनशैली का कोई विकल्प नहीं : भविष्य में चाहे नई दवाएं उपलब्ध हो जाएं, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली का महत्व हमेशा बना रहेगा। मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने के लिए आज भी निम्न उपाय सबसे प्रभावी माने जाते हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त तक

14 अगस्त को मनाया जायेगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

भोपाल, जीएनएस। मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान 9 से 17 अगस्त, 2026 तक संपूर्ण जन सहभागिता से चलाया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने सभी संभागायुक्त और कलेक्टर्स को तत्संबंधी निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर्स से कहा गया है कि इस अभियान में जनसामान्य को विगत वर्षों की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने एवं 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मानने के लिए सहभागिता सुनिश्चित करें। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत शासकीय कार्यक्रम/चर्चाएँ जैसे आयोजन किए जाएंगे।राष्ट्रीय गीत ÷वंदे मातरम÷ के 150 वर्ष पूरे होने के जश्न को%हर घर तिरंगा अभियान 2026% के साथ जोड़ा गया है।

÷हर घर तिरंगा÷ अभियान 9 से 17 अगस्त 2026

प्रदेश में यह जन-आंदोलन 9 से 17 अगस्त 2026 की तिथियों में पूरी जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा।सभी जिलों में तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोतरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को %पत्र लेखन% जैसे कार्यक्रम तथा तिरंगा संगीत कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जायेगा। स्थानीय स्व-सहायता समूहो और उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आम नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में खादी/पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी।

अभियान में केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा कंसर्ट, तिरंगा बाइक तिरंगा ई-बाइक/तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वजबिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा एंथम आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। डिजिटल सहभागिता अभियान में नागरिकों द्वारा तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करने, एवं सोशल मीडिया हेण्डल पर अभियान का प्रचार-प्रसार के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

÷वंदे मातरम÷ गान के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न

शासकीय कार्यक्रमों, शिक्षण संस्थानों तथा सार्वजनिक सभाओं में जहाँ राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों प्रस्तुत किए जा रहे हो, वहाँ %वंदे मातरम% (राष्ट्रगीत) पहले गाया/बजाया जाएगा, उसके बाद राष्ट्रगान %जन गण मन होगा।राष्ट्रगीत गायन के दौरान उपस्थित सभी अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक सावधान की मुद्रा में सम्मानपूर्वक खड़े रहेंगे।शासकीय कार्यालयों एवं महाविद्यालयों के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के निर्धारित छंदों का शुद्ध और गरिमापूर्ण वाचन सुनिश्चित किया जाएगा। सभी प्रत्येक आयोजनों में राष्ट्रीय गीत %वंदे मातरम% का गायन और राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) फहराना/प्रदर्शन करना दोनों शामिल किए जाएंगे। इसी तरह, हर घर तिरंगा% की वेबसाइट (www.harghartiranga.com) पर नागरिकों द्वारा तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी को अपलोड करने पर तस्वीर पर ÷वंदे मातरम÷ अंकित होगा।

÷विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस÷ 14 अगस्त 2026

14 अगस्त को देश के विभाजन के समय विस्थापन का दंश झेलने वाले और अपने प्राण गंवाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए इस दिवस को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ मनाया जाएगा। जिला और संभाग स्तर पर शांति मार्च (मौन जुलूस) निकाला जाएगा तथा शहीदों की स्मृति में सभाएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रमों में विभाजन से प्रभावित परिवारों अथवा उनके प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा कराए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों, पुस्तकालयों और मुख्य प्रशासनिक भवनों में विभाजन के ऐतिहासिक घटनाक्रम और विस्थापितों के संघर्ष को दर्शाने वाली तस्वीरों/अभिलेखों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस आयोजन का उद्देश्य ऐतिहासिक पीड़ा को स्मरण करना और राष्ट्रीय अखंडता के प्रति संकल्पित होना है। कार्यक्रम में जिलों, विकासखंडों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है जिसमें स्थानीय संस्थाओं, ग्राम जल सेवा समितियों, स्व-सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, साथ ही स्कूली बच्चों, स्वयंसेवकों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को इस अभियान का नेतृत्व करने और इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया है। ÷हर घर तिरंगा÷ की थीम अनुरूप तिरंगा फहराया जाने एवं इससे सम्बन्धित समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं। व्यापक जनभागीदारी के साथ ही www.harghartiranga.com पर झण्डा फहराने की सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए अधिकाधिक संख्या में झण्डों की आपूर्ति स्थानीय स्तर से सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही घर, कार्यालय तथा वाहनों पर तिरंगा लगाना, सेल्फी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जाना, हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड (Records with Tiranga) इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं।

लोक लेखा समिति की बैठक आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। लोक लेखा समिति की बैठक आज सोमवार को समिति के अध्यक्ष श्री अनिल सांखला की अध्यक्षता में नगर निगम, मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य श्री मनोज राजपूत, श्री महेन्द्र आर्य, श्रीमती अनीता रामू कुशवाह एवं अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा उपस्थित रहे।

बैठक में लेखा अधिकारी एवं अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा से 01 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक निर्माण तथा स्वच्छता मिषन अमृत योजना मरम्मत आदि पर किये गए व्यय तथा शासन से मिले अनुदान की जानकारी 7 दिवस में उपलब्ध कराने के निर्देष दिए। इसके साथ ही बजट भुगतान एवं बजट शीर्ष में आदेष तथा निगम निधि जमा की जानकारी मांगी गई।

इसके साथ ही पूर्व की बैठक में जल प्रदाय मरम्मत एवं नालिकायें बिछाने, सीवर लाइन बिछाने एवं मरम्मत एवं सड़क मरम्मत से संबंधित दिनांक 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक किये गए भुगतानों की जानकारी चाही गई। वांछित जानकारी 01 माह 8 दिन बाद भी अप्राप्त है। जिस पर समिति ने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित को 7 दिवस में आवश्यक रूप से वांछित जानकारी वार्ड वाइज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देष दिए।

लैण्डमार्क वेलफेयर एसोसिएशन के चुनाव में मनोज कुमार सिंह बने अध्यक्ष, सरिता सिंह उपाध्यक्ष और जनार्दन सिंह सचिव के पद पर हुए निर्वाचित

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) द्वारा निर्मित लैण्डमार्क टावर फेस-वन,वीडीए कॉलोनी लालपुर (प्रथम चरण) स्थित पंजीकृत रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ÷लैण्डमार्क वेलफेयर एसोसिएशन÷ का वार्षिक चुनाव रविवार को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुआ 7 चुनाव के साथ ही पिछले लगभग पाँच वर्षों से अवैध रूप से संचालित व्यवस्था का अंत हुआ और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत नई कार्यकारिणी का गठन किया गया 7 चुनाव में कुल सात प्रत्याशी विजयी घोषित किए गए जिसमे मनोज कुमार सिंह अध्यक्ष, सरिता सिंह

उपाध्यक्ष,जनार्दन सिंह सचिव,जय सिंह कोषाध्यक्ष तथा संजय कुमार सिंह,वंदना चौबे और विभा श्रीवास्तव सदस्य पद पर निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी राम सिंह ने सभी विजयी प्रत्याशियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं 7 उन्होंने कहा कि नवनिर्वाचित टीम सोसाइटी के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता,ईमानदारी और जवाबदेही के साथ कार्य करे जिससे सभी निवासियों का विश्वास और सहयोग बना रहे 7

चुनाव परिणाम घोषित होते ही पूरी सोसाइटी में उत्साह और खुशी का माहौल छा गया 7 निवासियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत कर उनसे बेहतर प्रबंधन,सुरक्षा,स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं के प्रभावी संचालन की उम्मीद जताई। इस अवसर पर डी.एन.चौरसिया,संजय सिंह,जे.पी.राय,दलीप सिंह,जी.पी. अस्थाना,ओम प्रकाश सिंह,जे.पी.सिंह, आर.एन.सिंह,बिक्रमा सिंह,एस.एन. प्रसाद,गीता वर्मा सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी के सदस्य चुनाव परिणाम घोषित होने तक उपस्थित रहे तथा विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी।

डीआईजी कॉलोनी में हुआ रुद्राभिषेक, आईजी वैभव कृष्ण व नगर आयुक्त ने विकास एवं सुरक्षा का दिया भरोसा

वाराणसी, जीएनएस। डीआईजी कालोनी (पश्चिम) स्थित पार्क में शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में रुद्राभिषेक कार्यक्रम का किया गया आयोजन 7 रुद्राभिषेक कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि वैभव कृष्ण पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी,विशिष्ट अतिथि हिमांशु नागपाल नगर आयुक्त वाराणसी,अशोक तिवारी,महापौर वाराणसी और अंशुमान राय (निदेशक हेरिटेज हॉस्पिटल लंका),भूपेंद्र अग्रवाल (व्यवसायी,कामधेनु स्टील),डॉ.बी.के.सिंह (बी.के.हार्ट हॉस्पिटल सुंदरपुर),सौरभ भंसाली (निदेशक,मेंटिस मेडिसिटी हॉस्पिटल चंदौली) के साथ-साथ कॉलोनी के निवासी राजकुमार मित्तल,नरेंद्र कुमार सिंह,मनोज सिंह,नियाज अहमद,सौरभ अग्रवाल,राजेश मिश्रा,सुरेंद्र कुमार द्विवेदी, प्रवीण कुमार सिंह,रतन चंद्र वर्मा,अरविंद शुक्ला,संजय अग्रवाल,अवधेश तथा अन्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर वाराणसी पुलिस महानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने कॉलोनी की सुरक्षा के संबंध में निवासियों को आश्वस्त किया और अपने अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए 7 नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने भी पार्क का निरीक्षण किया और उसके विकास, स्वच्छता तथा आधुनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए आवश्यक निर्देश दिए 7 उन्होंने विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखने पर जोर दिया।

SSC Stenographer 2025 में New Era English Steno ने रचा इतिहास, जिले में दिए सर्वाधिक चयन

शिवपुरी। स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (स्स्ट) द्वारा घोषित SSC Stenographer 2025 के अंतिम परिणाम में New Era English Steno, Shivpuri ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए English Stenography में जिले के सर्वाधिक चयन का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। हर वर्ष की तरह

निरंतर बेहतर परिणामों की अपनी परंपरा को इस वर्ष भी कायम रखा।

इस अवसर पर संस्थान (New Era) के डायरेक्टर अंशुल राठौर सर ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विद्याराम बघेल सर एवं रवि वर्मा सर उपस्थित रहेइस वर्ष सफल होने वाले प्रमुख अभ्यर्थियों में तरुण गुप्ता (तस्झ), यश कविश्वर (तस्झ), आदित्य जैन (श्वक्क्रह्र), शिवराज वर्मा (छ्वक्क्ष), उदित सोनी (EPFO), मनीष यादव (EPFO), पुनीत चीदार (ह्वाॠ), मधुर वशिष्ठ (ढ्ढ्रष्द्ब्र झ्ड्ड×) , कुबेर रावत (क्रह्न) तथा आकाश राठौर (ढ्ढ्रष्द्ब्र झ्ड्ड×) शामिल हैं।

सरकार की योजनाओं को पात्र लाभार्थियों उपलब्ध कराया जाएगा -राम अचल कुरील

जालौन, जीएनएस। नवागंतुक अधिशासी अधिकारी ने कहां कि पालिका अध्यक्ष एवं सभासदों सहयोग से पालिका अधूरे कार्यों को पूरा कराया जाएगा पालिका से संबंधित समस्या को आड़े नहीं आने दूंगा मंगलवार के दिन समय लगभग 3बजे उरई ईओ ने नगर पालिका परिषदकालपी कार्यालय में आकर नवागंतुक अधिशासी अधिकारी राम अचल कुरील अतिरिक्त पदभार ग्रहण करते हुए एक भेंट में पत्रकार को अवगत कराया कि जनपद बाराबंकी का मूल निवासी हूं वर्ष 2001 निकाय विभाग में तैनाती होकर जनता की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ था उन्होंने बताया कि जनपद चित्रकूट जनपद प्रतापगढ़ जनपद कानपुर देहात पुखरायां आदि जगहों में तैनात होकर जनता की सेवा में सदैव अग्रसर रहा हूं वर्ष 2024 में शासन के द्वारानगर पालिका उरई तैनाती हुई थी तभी से मैं उक्त पालिका में एवं कदौरा नगर पंचायत आदि जगहों में रहकर जनता की सेवा की है फिर हमारे डीएम राजेश कुमार पांडे ने जिस उम्मीद तहत पालिका कालपी में तैनाती की है उसी उम्मीद तहत जनता की सेवा करने में सदैव खरा उतारूंगा उन्होंने कहा कि अध्यक्ष एवं सभासदों सहयोग से नगर को सजाने में मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी वही आए हुए सभासदों ने नवागंतुक ईओ से परिचय दे भेट की तथा पालिका प्रधान लेखाकार हरिभूषण सिंह ने अभिलेख पर हस्ताक्षर बनवाकर पदभार ग्रहण करवाया मौके में आर आई अजीत सिंह यादव लिपिक शिशुपाल सिंह उर्फ़ पप्पी यादव लिपिक सरफराज खान उर्फ बाबा लिपिक रमेश कुमार यादव प्रांशु द्विवेदी इरफान मंसूरी शिवकुमार यादव आदि।

वैश्विक संकटों के बीच भारतीय बाजार की मजबूती—मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत या विदेशी पूंजी के अस्थायी सहारे की चमक?

तेल, युद्ध, ब्याज दर और निवेश : वैश्विक आर्थिक तूफान में कितनी सुरक्षित है भारत की बाजार–नाव?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया, महाराष्ट्र

वर्ष 2026 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए असाधारण अनिश्चितताओं का वर्ष बनकर उभर रहा है। ईरान-अमेरिका तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया की अस्थिरता, ऊर्जा संकट, ऊंची ब्याज दरें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, वैश्विक पूंजी का तेज आवागमन और तकनीकी बदलाव—ये सभी कारक मिलकर विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारतीय शेयर बाजार की मजबूती केवल घरेलू निवेशकों के उत्साह का परिणाम नहीं मानी जा सकती। इसके पीछे भारत की आर्थिक वृद्धि, राजनीतिक स्थिरता, डिजिटल विस्तार, बुनियादी ढांचे में निवेश, घरेलू मांग और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

31 जुलाई 2026 को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स करीब 78 हजार अंक के स्तर के आसपास रहा, जबकि निफ्टी 24,350 के ऊपर बना रहा। यह तेजी ऐसे समय में दिखाई दी, जब पश्चिम एशिया में तनाव, बढ़ती ऊर्जा कीमतें और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल वैश्विक निवेशकों की चिंता बढ़ा रहे हैं। अगस्त के शुरुआती सप्ताह में भी बाजार के सामने कई महत्वपूर्ण आर्थिक और वैश्विक संकेतक होंगे। ऐसे में असली सवाल यह है कि क्या भारत विश्व आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेश का नया सुरक्षित केंद्र बन रहा है?

तेल का झटका सबसे बड़ी बाहरी चुनौती

भारत के लिए सबसे बड़ा बाहरी आर्थिक जोखिम आज भी कच्चे तेल की कीमत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत बढ़ने का असर केवल पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। परिवहन लागत, खाद्य महंगाई, औद्योगिक उत्पादन, उर्वरक, विमानन, लॉजिस्टिक्स, व्यापार घाटे और सरकारी वित्त तक इसका प्रभाव पहुंचता है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने या तेल आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भारत का आयात बिल तेजी से बढ़ सकता है। इससे चालू खाते के घाटे पर दबाव पड़ता है और रुपये की कीमत भी प्रभावित हो सकती है। तेल महंगा होने पर उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर कंपनियों के मुनाफे पर पड़ता है। विमानन, रसायन, परिवहन, लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा-गहन उद्योग विशेष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

ऐसे में भारतीय तेल कंपनियों द्वारा स्पॉट बाजार से अतिरिक्त कच्चे तेल की खरीद यह संकेत देती है कि ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति की निरंतरता अब आर्थिक नीति के केंद्र में आ गई है। 1 अगस्त 2026 से वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए की कमी भी की गई है। हालांकि, दीर्घकालिक रूप से भारत के लिए चुनौती यह है कि वह वैश्विक तेल कीमतों के झटकों से अपनी अर्थव्यवस्था को कितना सुरक्षित रख सकता है।

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और विदेशी पूंजी की चुनौती

दूसरी बड़ी चुनौती अमेरिका की बॉन्ड यील्ड है। जब अमेरिकी सरकारी बॉन्डों पर प्रतिफल बढ़ता है, तो वैश्विक निवेशकों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित अमेरिकी परिसंपत्तियां अधिक आकर्षक हो जाती हैं। इसका सीधा असर उभरते बाजारों पर पड़ सकता है।

अमेरिकी 30-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड के करीब 5 प्रतिशत से ऊपर जाने तथा महंगाई और मौद्रिक नीति को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक वित्तीय बाजारों पर दबाव बढ़ाया है। भारत के लिए इसका अर्थ है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से पूंजी निकालकर अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर जा सकते हैं। डॉलर मजबूत होने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और घरेलू सरकारी एवं कॉर्पोरेट उधारी की लागत भी प्रभावित हो सकती है।

31 जुलाई 2026 को भारत की 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड यील्ड करीब 6.81 प्रतिशत रही। यह बताता है कि घरेलू बॉन्ड बाजार भी वैश्विक ब्याज दरों, तेल की कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह से पूरी तरह अलग नहीं है।

फिर भी भारत क्यों मजबूत दिखाई देता है?

इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत मजबूत है। इसका सबसे बड़ा आधार है—बड़ा घरेलू बाजार। भारत की अर्थव्यवस्था केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है। घरेलू खपत, युवा आबादी, डिजिटल भुगतान, बुनियादी ढांचे का विस्तार, सेवा क्षेत्र और विनिर्माण विकास इसके महत्वपूर्ण आधार हैं।

भारतीय बाजार को विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव से कुछ सुरक्षा घरेलू निवेशकों से भी मिल रही है। म्यूचुअल फंड, व्यवस्थित निवेश योजनाओं और खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी ने बाजार में घरेलू पूंजी का आधार मजबूत किया है। पहले विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली बाजार में बड़ी गिरावट का कारण बनती थी, लेकिन अब घरेलू संस्थागत निवेशक उस दबाव को काफी हद तक संतुलित कर रहे हैं।

हालांकि, इसका दूसरा पक्ष भी है। बाजार में अत्यधिक उत्साह कुछ कंपनियों के मूल्यांकन को वास्तविक आय और लाभ वृद्धि से आगे ले जा सकता है। इसलिए शेयर बाजार की तेजी को केवल आर्थिक मजबूती का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। मूल्यांकन, आय, उत्पादकता और वास्तविक आर्थिक गतिविधियों को भी समान महत्व देना होगा।

चीन-प्लस-वन रणनीति भारत के लिए अवसर

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में हो रहे बदलाव भारत के लिए बड़ा अवसर लेकर आए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भर रहने के बजाय अपने उत्पादन केंद्रों में विविधता लाना चाहती हैं। चीन-प्लस-वन रणनीति के कारण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, ऑटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल सेवाओं में अपनी भूमिका बढ़ा सकता है।

लेकिन अवसर को वास्तविक निवेश में बदलने के लिए केवल बड़ी अर्थव्यवस्था पर्याप्त नहीं है। भूमि, बिजली, लॉजिस्टिक्स, कौशल, अनुसंधान, नियामकीय प्रक्रियाओं और कारोबारी सुगमता में लगातार सुधार आवश्यक होगा। भारत यदि इन क्षेत्रों में गति बनाए रखता है तो वह केवल बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक उत्पादन और तकनीकी शक्ति के रूप में भी उभर सकता है।

आरबीआई के सामने कठिन संतुलन

भारतीय रिजर्व बैंक की 3 से 5 अगस्त 2026 के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण है। ब्याज दर, महंगाई, आर्थिक विकास, रुपये की स्थिति और वैश्विक जोखिमों के बीच संतुलन बनाना आरबीआई के सामने बड़ी चुनौती है।

आर्थिक विशेषज्ञों के सर्वेक्षण में अधिकांश प्रतिभागियों ने अनुमान लगाया है कि अगस्त में नीतिगत दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रह सकती है। पश्चिम एशिया के जोखिम और विकास संबंधी चिंताओं के बीच तत्काल दर वृद्धि की संभावना सीमित मानी जा रही है। लेकिन यदि तेल कीमतों में तेज वृद्धि महंगाई को बढ़ाती है तो लंबे समय तक कम ब्याज दर बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।

छोटा चुनाव, बड़ा संकेत–भाजपा का अति आत्म विश्वास या वजह और..?

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा

लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।

कमोवेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब काँग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए काँग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि काँग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।

सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा। हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है।

शिक्षण, योग और संस्कार के क्षेत्र में योगदान को किया याद, शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया

40 वर्षों की सेवा के बाद योगगुरु ऋषिकेश वशिष्ठ को भावभीनी विदाई

ग्वालियर जीएनएस

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिक्षा नगर (स्मार्ट स्कूल) के वरिष्ठ व्याख्याता एवं योगगुरु श्री ऋषिकेश वशिष्ठ की 40 वर्षों की उत्कृष्ट एवं समर्पित शैक्षणिक और योग सेवा पूर्ण होने पर उनके सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर कार्यालय, पड़ाव में आयोजित हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल के नियंत्रक श्री दीपक पांडे तथा विशिष्ट अतिथि शिक्षा संस्कृति न्यास के श्री चंद्रशेखर शास्त्री और श्री धीरेंद्र सिंह भदौरिया रहे। अतिथियों ने श्री वशिष्ठ के चार दशक लंबे शिक्षकीय एवं योग सेवा से जुड़े योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि श्री वशिष्ठ ने अपने सेवाकाल में हजारों विद्यार्थियों के जीवन को ज्ञान, योग, संस्कार और अनुशासन से समृद्ध किया। उनकी कर्मनिष्ठा, सरलता, समयपालन और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीय व्यवहार हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर श्री ऋषिकेश वशिष्ठ को शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में मौजूद शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, योग

साधकों और शुभचिंतकों ने उनके योगदान को याद करते हुए स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घ जीवन की कामना की।

अपने उद्बोधन में श्री वशिष्ठ ने सहकर्मियों, विद्यार्थियों और शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्रदान करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज निर्माण का सबसे सशक्त आधार है। उन्होंने अपने सेवाकाल में मिले सहयोग और स्नेह को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया।

समारोह का वातावरण आत्मीयता, सम्मान और भावनात्मक स्मृतियों से भरा रहा। उपस्थित लोगों ने शिक्षा और योग के क्षेत्र में श्री वशिष्ठ के योगदान को नमन करते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं कीं।

कार्यक्रम में आरके बाजपेई, योग आयोग के जिला अध्यक्ष जयदयाल शर्मा, जगदीश चंद्र प्रजापति, अशोक बाजपेई, योग प्रशिक्षित शिक्षक अध्यापक संघ के अध्यक्ष मुन्ना सिंह परिहार, सचिव नीतू तोमर, जिला संपर्क प्रमुख आनंद विभाग हेमंत त्रिवेदी, डॉ. रेखा श्रीवास्तव, शांतनु चौहान, जिला योग प्रभारी गोविंद मल्होत्रा, जिला योग प्रभारी भोपाल रुचि शर्मा, अवधेश कुमार शर्मा, आदेश द्विवेदी, अनिल श्रीवास्तव, नरेंद्र दांतरे, अरविंद सक्सेना, वेद राजावत, रवि भदौरिया, राज नारायण शर्मा, लोकेंद्र कामर, पुष्पराज सिकरवार, कल्याण गिरी, सत्येंद्र शास्त्री, भारती शाक्य, बबीता सेंगर, सिद्धार्थ वर्मा, निशांत बाथम, गौरव शर्मा एवं योगेश सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिले में अभी तक 290.02 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी जीएनएस। शिवपुरी जिले में 01 जून 2026 से अभी तक 290.02 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 1031.80 मि.मी. औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1585.86 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अभी तक शिवपुरी में 350.80 मि.मी., बैराढ़ में 163 मि.मी., पोहरी में 334 मि.मी., नरवर में 353 मि.मी., करैरा में 355.40 मि.मी., पिछोर में 256 मि.मी., कोलारस में 318 मि.मी., बदरवास में 276.50 मि.मी. तथा खनियाधाना में 203.50 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

बड़ा पार्क में वृहद पौधरोपण पांच को

ग्वालियर जीएनएस। लाल टिपारा स्थित बड़ा पार्क में नगर निगम के द्वारा जन सहयोग से 1100 पौधों का रोपण किया जाएगा। पार्क अधीक्षक श्री मुकेश बंसल ने बताया कि नगर निगम द्वारा शहर को हरा भरा रखने के लिए शहर में लगातार पौधरोपण किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा शहर के डिवाइडरो एवं खाली स्थानों पर अभी तक हजारों की संख्या में पौधे रोपे गए हैं। आमजनों के सहयोग से बडा पार्क में बुधवार को 1100 पौधों का रोपण किया जाएगा।

संयोजक संजय मिश्रा, सहसंयोजक गोपाल आडवाणी, जितेन्द्र मोहारे और झामसिंह नागेश्वर नियुक्त

भाजपा की राष्ट्रवाद से ओतप्रोत हर घर तिरंगा यात्रा 9 अगस्त से 15 अगस्त तक

बालाघाट

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आव्हान पर भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे ने राष्ट्रवाद से ओतप्रोत हर घर तिरंगा यात्रा 9 अगस्त से 15 अगस्त तक को लेकर भाजपा के जिला पदाधिकारियों को कार्य आवंटन किया। जिसके तहत भाजपा जिला महामंत्री, संजय मिश्रा को संयोजक नियुक्त किया। जिला उपाध्यक्ष गोपाल आडवाणी, सह-

संयोजक जो 13 से 15 अगस्त तक हर कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष, बूथ महामंत्री, बूथ की टोली के घरों पर तिरंगा फहरने का कार्य। विधानसभा स्थाई प्रभारी से समन्वय स्थापित कर झण्डे उपलब्ध कराना। क्रम में जिला उपाध्यक्ष, जितेन्द्र सिंह मोहरे, सह-संयोजक जिले में सभी शहीदों के स्मारक पर स्वच्छता अभियान फूल माला से सम्मान। 14 अगस्त शाम को विभाजन विभीषिका दिवस पर मौन जूलूस निकालना। जिला एवं मंडल स्तर पर। वहीं भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष झामसिंह नागेश्वर सह-संयोजक के दायित्व को राष्टीय पर्व पर जिले भर में होर्डिंग लगाने वाले कार्य का संपादन करेंगे। अभियान के जिला संयोजक संजय मिश्रा ने हरघर तिरंगा यात्रा को सफल बनाने में आमजन और भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सहयोग करने की गुजारिश की। आशय की जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हेमेंद्र क्षीरसागर ने देते बताया कि, राष्ट्रहितैषी कार्य के निमित्त भाजपा के जिम्मेदार कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

एसएससी स्टेनोग्राफर 2025 में न्यू एरा इंग्लिश स्टेनो ने रचा इतिहास, जिले में दिए सर्वाधिक चयन

शिवपुरी जीएनएस

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा घोषित एसएससी स्टेनोग्राफर 2025 के अंतिम परीक्षा परिणाम में न्यू एरा इंग्लिश स्टेनो, शिवपुरी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी आशुलिपि में जिले में सर्वाधिक चयन का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। संस्थान ने उत्कृष्ट शिक्षण पद्धति, अनुशासित वातावरण और लगातार बेहतर परीक्षा परिणाम देने की अपनी परंपरा को इस वर्ष भी कायम रखा है।

संस्थान के अनेक विद्यार्थियों ने एसएससी स्टेनोग्राफर 2025 परीक्षा में सफलता हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि शिवपुरी जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में संस्थान परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें चयनित अभ्यर्थियों और उनके माता-पिता का पुष्पमालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संचालक अंशुल सर ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि न्यू एरा इंग्लिश स्टेनो आगे भी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने के लिए पूरी तरह समर्पित रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्याराम बघेल सर एवं रवि वर्मा सर उपस्थित रहे। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए नियमित अभ्यास, सही मार्गदर्शन और दृढ़

संकल्प बेहद जरूरी है। इस वर्ष सफल होने वाले प्रमुख अभ्यर्थियों में तरुण गुप्ता (वस्तु एवं सेवा कर विभाग), यश कविश्वर (वस्तु एवं सेवा कर विभाग), आदित्य जैन (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), शिवराज वर्मा (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग), उदित सोनी (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), मनीष यादव (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन), पुनीत चीदार (राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग), मधुर वशिष्ठ (आयकर विभाग), कुबेर रावत (सीमा सड़क संगठन) तथा आकाश राठौर (आयकर विभाग) शामिल हैं।

संस्थान के विद्यार्थियों के इस शानदार प्रदर्शन से चयनित अभ्यर्थियों के परिजनों और संस्थान से जुड़े लोगों में हर्ष का माहौल है। सभी ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 07 अगस्त को होगी आयोजित : शिवपुरी- कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (डीएटीसीसी) अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 07 अगस्त (शुक्रवार) को स्थानीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पी.जी. कॉलेज) शिवपुरी नवीन भवन में स्थित सेमिनार हॉल में किया जाएगा। जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के माध्यम से आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में पूर्व से पंजीकृत प्रत्येक विद्यालय के 03 विद्यार्थियों की टीम लिखित एवं मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता में अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी।

क्विज प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी सौरभ गौड ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार तथा शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के सहयोग से यह प्रतियोगिता दो चरणों (लिखित एवं मल्टीमीडिया क्विज) में आयोजित की जाएगी। जिसमें मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों, कला-संस्कृति, आध्यात्म प्राकृतिक सौंदर्य एवं ऐतिहासिक धरोहर पर आधारित प्रश्न के उत्तर देने होंगे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु शिवपुरी जिले के विभिन्न शासकीय, अशासकीय, केंद्रीय विद्यालय एवं सीबीईएसई स्कूलों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र/छात्राओं कुल 226 द्वारा निर्धारित तिथि तक अपना पंजीयन किया गया।

राजस्व कर संग्रहकों के कार्यों में किया फेरबदल

ग्वालियर। कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से राजस्व विभाग में राजस्व कर संग्रहकों के कार्यों में फेरबदल किया गया है। अपर आयुक्त राजस्व द्वारा जारी आदेशानुसार सहायक वर्ग-2 श्री जगदीश बघेल को राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 25, श्री रवि चौरसिया विनियमित को राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 03, श्री संजय रजक विनियमित को फायर बिग्रेड विभाग, श्री शिवकुमार गौतम विनियमित को राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 18 का दायित्व सौंपा गया है।

भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज क्षेत्राधिकारी श्री सत्येन्द्र उपाध्याय के निर्देषन में वार्ड 65 लोहार की पुलिया बैंक के पीछे श्रीमती सपना सूरज केन द्वारा भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालकर यातायात अवरुद्ध करने पर 8000 रूपये का जुर्माना किया गया।

सफाई के जिम्मेदार लोग खरे उतरकर नगर को स्वच्छ बनाएं आर आई

जालौन। मंगलवार के दिननगर पालिका परिषद कालपी आर आई अजीत सिंह यादव ने सफाई नायक एवं बाहान चालकों की बैठक लेकर जमकर पेच कसते हुए कहाकि प्रत्येक मोहल्ले में जो सफाई नायक की तैनाती है वह अपनी जिम्मेदारी में सफाई करने में सदैव खरे उतरने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि निरीक्षण दौरान यदि किसी मोहल्ले की गलियों में गंदगी पाई जाएगी तो सफाई नायक ही जिम्मेदार होगा साथ में उन्होंने वाहन चालकों से कहा कि निर्धारित समय में पालिका से अपने-अपने वाहन के पास पहुंचकर समय से वाहनों को चलाकर अपने-अपने मोहल्ले में निर्धारित जगह पर वाहनखडेकर मोहल्ले वासियों के कूडे को ब बाहान में डलवाने के निर्देश दिए सभी लोग नगर में विशेष सफाई अभियान चला कर नगर को स्वच्छ बनाने में सदैव अग्रसर रहें उन्होंने कहा कि नगर में सफाई व्यवस्था में किसी भी सफाई कर्मी ने लापरवाही की तो ऐसे कर्मचारियों को किसी भी सूरत में बक्सा नहीं जाएगा इतना भी नहीं वेतन लेने के लाले पड़ जाएंगे पालिका कंप्यूटर ऑपरेटर इरफान मंसूरी ने बैठक का संचालन किया बैठक मेमौजूद लिपिक शिशुपाल सिंह उर्फ पप्पी यादव सफाई नायकों में कैलाश विनोद सफाई प्रभारी जीशान अनिल वीर सिंह राजेश चालकों में अजय हेमंत राजेश राजा अरुण समेत लोग मौजूद थे।

अखिल विश्व गायत्री परिवार ग्वालियर का आयोजन

अखिल विश्व गायत्री परिवार ग्वालियर आगामी 12 से 21 सितंबर 26 प्रातः 10ः00 बजे से 8ः00 बजे रात्रि तक कला वीथिका पडाव चौराहा पर विराट पुस्तक मेले का आयोजन करने जा रहा है जिसकी वृहद बैठक गायत्री शक्तिपीठ तानसेन नगर ग्वालियर में 3 अगस्त सोमवार को संपन्न हुई बैठक में पुस्तक मेला के बारे में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी बीके गुप्ता एवं सह प्रभारी मीडिया लाल बहादुर सिंह ने बताया कि आचार्य श्रीराम शर्मा गायत्री परिवार के संरक्षक शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा लिखित 3200 पुस्तकों का संग्रह पुस्तक मेले में उपलब्ध रहेगी उन्होंने बताया कि इस मेले का मुख्य उद्देश्य आचार्य श्री राम शर्मा द्वारा विचार क्रांति के बीज पुस्तकों के माध्यम से समाज में जाएंगे तो सारी विश्व वसुधा को हिलाकर रख देगी बैठक में प्रचार प्रसार प्रभारी डॉ प्रदीप गुप्ता गठित समितियां का संपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि पूरे ग्वालियर अंचल में बैनर होर्डिंग सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जन अभियान चलाया जाएगा बैठक में सभी पुस्तक मेले के पदाधिकारी उपस्थित थे मंच का संचालन डॉक्टर संजय गुप्ता एवं संगीत केपी शर्मा द्वारा किया गया आभार शक्तिपीठ के व्यवस्थापक कमलेश गुप्ता द्वारा किया गया।

भिंड के युवा कलाकार भूपेंद्र चौहान ने बढ़ाया जिले का मान, लाल किले के स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए चयनित

भिंड, जीएनएस। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माय भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भिंड जिले के युवा कलाकार एवं आर्यावर्ती संस्कृति संगम के उपाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान का चयन 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होने के लिए किया गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर माय भारत केन्द्र भिंड ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। 1 जून से 15 जुलाई 2025 के दौरान माय भारत पोर्टल पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में भूपेंद्र चौहान ने अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विजेता के रूप में स्थान प्राप्त किया। उनकी रचनाओं में राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति तथा सामाजिक जागरूकता के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई।

इस उपलब्धि के फलस्वरूप उन्हें 15 अगस्त को लाल किला, नई दिल्ली में आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह सम्मान न केवल भूपेंद्र चौहान की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भिंड जिले एवं मध्यप्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है।

इस अवसर पर माय भारत केन्द्र भिंड ने कहा कि भूपेंद्र चौहान की सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनकी उपलब्धि यह दर्शाती है कि प्रतिभा, समर्पण और निरंतर प्रयास के साथ माय भारत द्वारा युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के अनेक अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

माय भारत केन्द्र भिंड ने जिले के सभी युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कर विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, स्वयंसेवी गतिविधियों, नेतृत्व विकास कार्यक्रमों, कौशल विकास अभियानों एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करें। माय भारत से जुड़कर युवाओं को भूपेंद्र चौहान जैसी उपलब्धियाँ प्राप्त करने तथा राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिल सकते हैं। अंत में माय भारत केन्द्र भिंड ने भूपेंद्र चौहान को उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए पुनः हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे भी अपनी कला के माध्यम से राष्ट्र, समाज और युवाओं को प्रेरित करते रहेंगे।

इंदरगढ़ में बच्चों के भविष्य पर पानी! स्कूल बना तालाब, नगर परिषद के खिलाफ कांग्रेस का आर-पार का आंदोलन

इंदरगढ, जीएनएस। बरसात ने इंदरगढ़ नगर परिषद की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। नगर के सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि नगर परिषद की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण मासूम बच्चों को गंदे पानी से होकर स्कूल जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

धरने पर बैठे अंशुल शर्मा और दीपक खटीक ने कहा कि नगर में बनी शासकीय खाई को भी नगर परिषद द्वारा मिट्टी डालकर अतिक्रमण कराया जा रहा है, जिससे बारिश के पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। इसका सीधा असर स्कूल पर पड़ा है और पूरा परिसर जलभराव की चपेट में है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ÷जब तक स्कूल परिसर से पानी नहीं निकाला जाता और प्रशासन की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलता, तब तक हमारा अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।÷धरणारत कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद पर जनहित की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि कई शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अब सबसे बड़ा सवाल—

क्या नगर परिषद बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, या फिर किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी? यही सवाल आज इंदरगढ़ की जनता भी पूछ रही है।

सावन मेले में होंगे विभिन्न आयोजन 8 अगस्त से 12 अगस्त तक होंगे आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित सावन मेला लगाया गया है इस सावन मेले में एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन आयोजित किए जा रहे हैं संस्था के अध्यक्ष संजय कट्टल ने बताया कि 8 अगस्त को म्यूजिकल प्रोग्राम सुरीली शाम संगीत के नाम का आयोजन शाम 6 बजे से आयोजित किया जाएगा अनामिका म्यूजिकल ग्रुप द्वारा 9 अगस्त को एकल नृत्य प्रतियोगिता वैस्टर्न कैटेगरी वर्ग ए में 5 साल से 8 साल वर्ग बी में 9 साल से 14 साल वर्ग सी में 15 साल से 25 साल तक के प्रतियोगी भाग ले सकते हैं युगल नृत्य प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में आयोजित होगी जूनियर वर्ग एवम् सीनियर वर्ग 10 अगस्त को एकल नृत्य प्रतियोगिता युगल नृत्य प्रतियोगिता क्लासिकल एवम् सेमी क्लासिकल एवम् समूह नृत्य विभिन्न कैटगरी वैस्टर्न एवम् क्लासिकल 11 अगस्त को रंगोली सजाओ प्रतियोगिता मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता चेयर रेस प्रतियोगिता 12 अगस्त को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवम् पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा यह सभी आयोजन शाम 6 बजे से आयोजित किए जाएंगे इस आयोजन में जो भी प्रतियोगी भाग लेना चाहते हैं वो ऑन स्पॉट अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकता है।

फ्रेंडशिप डे पर जैन सोशल ग्रुप ग्वालियर की पूल पार्टी में परिवारों ने की जमकर मस्ती

प्रतियोगिताओं व लकी ड्रा के विजेताओं को मिले पुरस्कार

ग्वालियर, जीएनएस। जैन सोशल ग्रुप ग्वालियर द्वारा फ्रेंडशिप डे के अवसर पर पारिवारिक मित्रता मिलन एवं भव्य पूल पार्टी का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सदस्य अपने परिवार सहित शामिल हुए। मित्रता, पारिवारिक एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश देते हुए सभी ने एक-दूसरे को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं दीं तथा पूल पार्टी का भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुमार जैन एवं सुप्रिया जैन ने समूह के नवीन संरक्षक दिनेशङ्कबिता जैन (कांटे वाले) तथा रविन्द्र जैन ÷बाबा÷ङ्कसोनल जैन का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही नवीन सदस्य अमितङ्करितु जैन, अमनङ्कदीपा जैन एवं मोहितङ्कमयूरी जैन का भी सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक मंत्री सीए गगन जैन एवं डॉ. शालिनी जैन ने बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं प्रतियोगिताओं का सफल संचालन किया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में उत्सव का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के शुरुआत में अध्यक्ष अरविंद मोदी, सचिव दीपक जैन, कोषाध्यक्ष अतुल जैन, सहसचिव अभिषेक जैन एवं गौरव जैन तथा सह-कोषाध्यक्ष अमित जैन एवं परेश जैन ने सभी सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया।

संरक्षक डॉ. सुनीलङ्कसुनीता गोधा, रामकुमारङ्कसुनीता जैन एवं महेशचंद्रङ्कसाधना जैन ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर जैन समाज के प्रवक्ता ललित जैन %भारती% एवं नविता जैन, भानुङ्कसीमा जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विजयनगर लाइनपार फेडरेशन कार्यालय में RWA फेडरेशन गाजियाबाद के चेयरमैन आर के गर्ग का भव्य स्वागत, बढ़े हुए हाउस टैक्स पर जताई चिंता

गाजियाबाद, जीएनएस। स्वदेशी चौक, विजयनगर स्थित लाइनपार फेडरेशन कार्यालय में ऋङ्क फेडरेशन गाजियाबाद के चेयरमैन आर के गर्ग का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पदाधिकारियों के बीच शहर की प्रमुख जनसमस्याओं, विशेषकर बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

लाइनपार फेडरेशन के अध्यक्ष आरके आर्या ने कहा कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स शहर के आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है। उन्होंने मांग की कि नगर निगम इस विषय पर पुनर्विचार करे तथा जनहित में उचित निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि शहर की विभिन्न नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए सभी आरडब्ल्यूए को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

इस अवसर पर ऋङ्क फेडरेशन गाजियाबाद के चेयरमैन आरके गर्ग ने कहा कि फेडरेशन बढ़े हुए हाउस टैक्स सहित शहर की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से उठाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही जनसंपर्क अभियान चलाकर विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं का संकलन किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों के समक्ष उन्हें प्रभावी ढंग से उठाकर शीघ्र समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फेडरेशन का उद्देश्य शहरवासियों की आवाज को मजबूती से प्रशासन तक पहुंचाना है।

इस अवसर पर पूनम सिंह, आरके आर्या, रामकिशन शर्मा, नेपाल चौधरी, राजीव अग्रवाल तथा ऋङ्क फेडरेशन गाजियाबाद के मीडिया प्रभारी गौरव बंसल सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने शहरहित के मुद्दों पर मिलकर कार्य करने और जनसमस्याओं के समाधान के लिए संयुक्त प्रयास करने का संकल्प लिया।

हमारे दान का मूल्य याचक की पात्रता देखने में नहीं बल्कि हमारी भावना में है...

मनोज अरुण व्यास बड़नगर

हमारे रोज़मर्रा के जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब बाजार, मंदिर, चौराहे या घर के दरवाज़े पर खड़ा कोई व्यक्ति हमारी ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखता हाथ पसारता है तब हम यकायक इसकी मदद में जेब में हाथ नहीं डालते हैं जबकि इसके फैले हुए हाथ केवल रुपये दो रुपए या भोजन की मांग नहीं करते बल्कि वे हमारी संवेदनाओं की परीक्षा भी लेते हैं लेकिन अधिकांश बार हमारी पहली प्रतिक्रिया इसकी सहायता करना नहीं होती है बल्कि हम इस व्यक्ति के चेहरे, कपड़ों और परिस्थितियों को परखने लगते हैं। हम यह तय करने में लग जाते हैं कि यह व्यक्ति हमारी मदद का पात्र है भी या नहीं। यह हम लोगों की सामान्य प्रवृत्ति है कि हम दान देने से पहले अपने भीतर एक न्यायाधीश को खड़ा कर लेते हैं और फिर उसके जीवन का फैसला कुछ क्षणों में कर देते हैं। लेकिन यहां यह भी विचारणीय है कि क्या वास्तव में हमें यह अधिकार प्राप्त है कि हम उसकी मजबूरी और पात्रता का निर्धारण करें क्योंकि सच तो यह भी है कि जिस ईश्वर ने हमें देने योग्य बनाया है यदि वह भी हमारे कर्मों और कमियों को देखकर हमारी तरह ही सोचने लगे कि हम उसकी कृपा के पात्र हैं या नहीं तब हमारा क्या होगा। आज हममें से कौन ऐसा है जो यह दावा कर सके कि उसने जीवन में कभी कोई भूल नहीं की कोई कमी नहीं रखी लेकिन फिर भी ऊपर वाला अपनी कृपा हम पर निरंतर बरसाता रहता है। वह हमारे दोषों का हिसाब लगाकर अपनी दया नहीं रोकता है। असल में दान या मदद का अर्थ किसी लाचार पर अहसान करना नहीं होता हैं बल्कि दान तो केवल हमारी करुणा, संवेदना और कृतज्ञता का प्रकटीकरण है। हमारा यह स्वीकार करना है कि जो कुछ हमारे पास है वह केवल हमारे परिश्रम का परिणाम नहीं बल्कि ईश्वर की अनुकंपा और भाग्य का भी प्रसाद है। जब हमारे जीवन में सब कुछ उसी ऊपर वाले का दिया हुआ है तो फिर हम किस अधिकार से यह तय करने लगते हैं कि कौन सहायता पाने के योग्य है और कौन नहीं। सही बात तो यह है कि दान का फल देने वाले की भावना में छिपा होता है ना कि लेने वाले की पात्रता में और जब हम किसी की सहायता करते हैं तब वास्तव में हम किसी और का नहीं बल्कि अपना ही कल्याण कर रहे होते हैं क्योंकि हम अपने भीतर की मनुष्यता को जीवित रख रहे होते हैं। इस नाशवान संसार का सबसे बड़ा सत्य यही है कि देने वाला हाथ कभी खाली नहीं रहता है इसलिए जब भी कोई जरूरतमंद हमारे सामने हाथ फैलाए तब एक पल के लिए यह मत सोचिए कि यह व्यक्ति हमारे दान का पात्र है या नहीं बल्कि केवल इतना सोचिए कि ईश्वर ने हमें देने की क्षमता दी है और शायद उसी ने हमें किसी की मदद का माध्यम चुना है। हमारे शास्त्र कहते भी है कि दान की सबसे बड़ी सुंदरता यही है कि उसमें गणित नहीं होता बल्कि केवल भावना होती है, उसमें हिसाब नहीं होता केवल करुणा होती है और उसमें अहसान नहीं होता केवल इंसानियत ही होती है क्योंकि हम अपनी ओर से कुछ भी नहीं दे रहे होते है बल्कि हम तो केवल उस ऊपर वाले की दी हुई नेमत को उसके ही किसी और बंदे तक पहुंचाने का कार्य कर रहे होते हैं...।

सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई ने दूषित व फ्लोराइडयुक्त पेयजल पर सख्ती की मांग, मुख्यमंत्री से संयुक्त जांच व राज्यव्यापी जागरूकता अभियान चलाने आग्रह

जयपुर। राज्य में दूषित एवं फ्लोराइडयुक्त पेयजल से बढ़ रही जलजनित बीमारियों और फ्लोरोसिस के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए जयपुर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रवि शंकर धाभाई ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा पूरे प्रदेश में नियमित जल गुणवत्ता जांच, प्रभावी निगरानी और राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है।

समाजसेवी रवि शंकर धाभाई ने पत्र में कहा कि प्रदेश के कई क्षेत्रों में लोग दूषित एवं फ्लोराइडयुक्त पानी पीने को मजबूर हैं, जिससे उल्टी, दस्त, हेपेटाइटिस, टाइफाइड, हैजा तथा फ्लोरोसिस जैसी गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने मांग की कि जल स्रोतों की नियमित वैज्ञानिक जांच, जल गुणवत्ता रिपोर्ट सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध कराने, घर-घर स्वास्थ्य सर्वेक्षण, फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में डिफ्लोरिडेशन संयंत्रों के प्रभावी संचालन, सुरक्षित पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था तथा व्यापक जन-जागरूकता अभियान तत्काल शुरू किए जाएं।

धाभाई ने कहा कि सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है और समय रहते प्रभावी कार्रवाई से हजारों लोगों को गंभीर बीमारियों एवं स्थायी विकलांगता से बचाया जा सकता है।

जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर वाहनों की जाँच जारी

ग्वालियर, जीएनएस। जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर जिला प्रशासन द्वारा स्कूली वाहनों का अभियान बतौर निरीक्षण कराया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर सोमवार को संभागीय उड़नदस्ता द्वारा शहर के विक्की फैक्ट्री तिराहा पर स्कूली वाहनों की जांच की गई। इस दौरान विभिन्न वाहनों पर कुल 42 हजार रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री विक्रमजीत सिंह कंग ने बताया कि निरीक्षण के दौरान स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। साथ ही कमियां पाए जाने पर संबंधित स्कूल व वाहन संचालकों पर जुर्माना लगाया गया। उन्होंने बताया कि ऋषिकुल विद्या निकेतन पर 5 हजार व कामदगिरि शिक्षा एवं सामाजिक संस्थान से जुड़े स्कूली वाहनों पर 3 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह यात्री वाहनों पर 20 हजार व ऑटो रिक्शा पर 14 हजार रुपए जुर्माना अधिरोपित किया गया है। यह कार्रवाई संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी श्री प्रवीण नाहर के नेतृत्व में गए दल द्वारा अंजाम दी गई।

पंचवटी में गूंजे जय बजरंगबली के जयकारे, सावन के प्रथम सोमवार पर बरसी संत-कृपा

आगरा,संजय सागर सिंह। पवित्र सावन मास के प्रथम सोमवार के शुभ अवसर पर पंचवटी स्थित अमित सिंह एवं सचिन सिंह के आवास पर आध्यात्मिक आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत राजू दास जी महाराज जी के पावन सान्निध्य में आयोजित धार्मिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक संत-वाणी का श्रवण कर आशीर्वचन प्राप्त किया। सावन के प्रथम सोमवार पर पंचवटी में सजा यह भक्तिमय आयोजन श्रद्धा, सेवा और संत-आशीर्वाद का ऐसा सुंदर संगम बना, जिसकी आध्यात्मिक अनुभूति लंबे समय

तक श्रद्धालुओं के मन में बनी रहेगी।

महंत श्री राजू दास जी महाराज ने उपस्थित भक्तों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए धर्म, संस्कार, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उनके पावन सान्निध्य से सम्पूर्ण पंचवटी का वातावरण भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर आयोजित भंडारे में महंत राजूदास जी महाराज ने स्वयं सम्मिलित होकर सभी श्रद्धालुओं को आशीष प्रदान किया। सभी भक्तों ने श्रद्धा एवं समर्पण के साथ प्रसाद ग्रहण किया और प्रभु श्री हनुमान जी से पंचवटी परिवार एवं आगरा की सुख-समृद्धि की कामना की।

महंत राजू दास जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं के लिए मंगलकामना करते हुए कहा कि श्री हनुमान जी महाराज की असीम कृपा सभी पर बनी रहे। प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं सद्भाव का वास हो और सभी के जीवन में धर्म एवं सेवा की भावना निरंतर प्रबल होती रहे।

नगर निगम अध्यक्ष तोमर ने दिव्यांग को दी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

ग्वालियर, जीएनएस। सभापति श्री मनोज तोमर के द्वारा दिव्यांग श्री आशीष शिवहरे को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल एवं हेलमेट का वितरण किया गया। ट्राई साइकिल मिलने से दिव्यांग को बेहद खुशी हुई, क्योंकि दिव्यांग होने के कारण यह सभी जन चलने में लगभग असमर्थ थे। अब वह बिना किसी सहारे के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

आमखो स्थित अपने निज निवास कार्यालय से नगर निगम परिषद के अध्यक्ष श्री मनोज तोमर द्वारा आज सोमवार को दिव्यांग श्री आशीष शिवहरे जो कि राष्ट्रीय स्तर के तैराक खिलाडी को ट्राई साइकिल का निशुल्क वितरण किया गया। मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिल जाने से अब बिना किसी के आश्रित हुए अपनी मर्जी से शहर में कहीं भी आ जा सकते हैं।

नमक चमक सहस्त्रधारा रुद्राभिषेक के निशुल्क पंजीयन का शुभारंभ राज किशोर शर्मा ने किया

ग्वालियर, जीएनएस। सावन के प्रथम सोमवार को सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वावधान में समाजसेवी श्री राजकिशोर शर्मा जी के मुख्य आतिथ्य में तथा सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज जी की अध्यक्षता में विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी रामबाबू कटारे, जितेन्द्र राजौरिया , श्रीमती अनीता दीक्षित द्वारा 10 अगस्त को होने वाले महासमिति द्वारा पहली बार नमक चमक सहस्त्रधारा रूद्राभिषेक के निशुल्क पंजीयन श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर, श्री परशुरामेश्वरम मंदिर राम कुई पर भगवान शिव जी एवं उनके भक्त भगवान परशुराम जी को जलाभिषेक राजकिशोर शर्मा ने कर वैदिक मंत्रोच्चारण से पंडित ब्रह्म दत्त पाण्डेय शास्त्री,पवन शास्त्री के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ। सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज ने अध्यक्षीय आसन्न से कहा कि आज त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर का जल सकल ब्राह्मण महासमिति की महिला अध्यक्ष श्रीमती बीना भारद्वाज लेकर आ रही है जिसका पूजन 5 अगस्त को दोपहर ठीक एक बजे श्री हजारेश्वर महादेव मंदिर पर होगा। 10 अगस्त को नमक चमक सहस्त्रधारा रूद्राभिषेक में पांच तीर्थ का त्रंबकेश्वर काशी विश्वनाथ ओंकारेश्वर महाकाल और गंगोत्री का जल का अमृत बरसेगा ।रजिस्ट्रेशन करने वालों को निशुल्क अमृत शिष्यों में वितरित किया जाएगा। संचालन देवेन्द्र कुमार पाठक, योगेंद्र दीक्षित ने किया।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

5 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ आचार्य आनंद ऋषि जी की 126 जयंती मनाई जाएगी

साध्वी प्रमोद कुंवर जी के सानिध्य में 9 अगस्त से 13 अगस्त तक पोषद भवन में होंगे धार्मिक कार्यक्रम

अशोक कोचेटा

शिवपुरी। शिवपुरी में चातुर्मास कर रही प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज ठाणा तीन के सानिध्य में स्थानकवासी जैन समाज के आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज की 126 वीं जन्म जयंती पोषद भवन शिवपुरी में पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम 9 अगस्त से 13 अगस्त तक चलाऐंगे तथा अंतिम दिन 13 अगस्त को आचार्य आनंद ऋषि महाराज के व्यक्तित्व पर गुणानुवाद सभा के माध्यम से प्रकाश डाला जाएगा।

स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कोचेटा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शिवपुरी के ओसवाल गली स्थित पोषद भवन में प्रसिद्ध जैन साध्वी प्रमोद कुंवर जी, साध्वी चेतना जी और साध्वी स्मिता जी का चातुर्मास चल रहा है। चातुर्मास के अवसर पर प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे तक प्रवचन और दोपहर में महिलाओं के लिए धार्मिक कक्षाओं का आयोजन चल रहा है। इसी कड़ी में परम पूज्य आचार्य सम्राट गुरुदेव श्री आनंद ऋषि जी महाराज की 126 वीं जन्म जयंती पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है। पांच दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के तहत 9 अगस्त रविवार को सुबह 9-10 बजे तक पोषद भवन में लोगस्स का पाठ धर्मप्रेमी बन्धुओं और बहनों द्वारा किया जाएगा। धर्म प्रेमियों से अपील की गई है कि लोगस्स के जाप में पुरुष सफेद एवं महिलाएं केसरिया परिधान धारण करें। 10 अगस्त सोमवार को

सामायिक दिवस घोषित किया गया है। इस अवसर पर धर्मप्रेमी लोग सुबह से 3 सामायिक अनिवार्य रूप से से करेंगे। इसे सामायिक का तेला नाम दिया गया है। 11 अगस्त मंगलवार को वंदना दिवस को सुबह 9 से 10 बजे तक वंदना दिवस मनाया जाएगा। तथा 12 अगस्त को सुबह 9 से 10 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप आयोजित होगा और इसी दिन धर्मप्रेमी आयमिल वृत्त करेंगे। आय मिल व्रत महिला मंडल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जैन धर्म में इस व्रत की महिमा बहुत मानी जाती है और इसे रस परित्याग तपस्या कहा जाता है। 13 अगस्त को गुरू महाराज की गुणानुवाद सभा होगी। जिसमें आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज के सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा।

आचार्य जी ने 13 वर्ष की उम्र में लिया था संन्यास

स्थानकवासी श्रमण संघ के आचार्य आनंद ऋषि जी महाराज का जन्म 27 जुलाई 1900 को महाराष्ट्र के चिंचौड़ी ग्राम में हुआ था। उनके जन्म का नाम नेमीचंद था। बचपन से ही धर्म में उनकी रुचि थी और वह कम उम्र में ही धार्मिक शिक्षा प्राप्त करने लगे थे। महज 13 वर्ष की आयु में उन्होंने आचार्य रत्न ऋषि जी महाराज से दीक्षा प्राप्त की थी। दीक्षा संस्कार 7 दिसंबर 1913 को अहमदनगर जिले के मीरी में हुआ था। उन्होंने दीक्षा लेते ही संस्कृत और प्राकृत स्त्रोत्रों का अध्ययन पूर्ण कर लिया था और पहल प्रवचन 1920 में दिया। उनके गुरु ने उन्हें सीख दी थी कि जीवन में कभी भी दुखी मत होना और हमेशा मानव जाति के कल्याण के लिए कार्य करना और उन्होंने इस सीख को पूरी तरह से अपने जीवन में उतारा। 13 फरवरी 1975 को महाराष्ट्र के उस समय के मुख्यमंत्री वसंतराव नायक ने उन्हें राष्ट्र संत की उपाधि से सम्मानित किया। 1964 से 1992 में अपनी मृत्यु तक उन्होंने वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के आचार्य पद के महत्वपूर्ण दायित्व को संभाला और इसका पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया। आचार्य जी के बारे में एक दिव्य बात यह भी थी कि उनके पैर के मध्य में पद्म चिन्ह था। वे इसे केवल उन्हीं भक्तों को दिखाते थे जो अपनी किसी भी बुरी आदत के निषेध के लिए तैयार होता था। भारत सरकार ने उनकी स्मृति में डाक टिकट का प्रकाशन भी किया। वह कई शैक्षणिक संस्थानों के संस्थापक रहे और अहमद नगर में उनके द्वारा स्थापित आनंद धाम मानव सेवा का आज एक प्रसिद्ध तीर्थ बन चुका है। जहां अस्पताल, नेत्रालय और रक्त बैंक संचालित किए जा रहे हैं। 28 मार्च 1992 को अहमदनगर में अपनी मृत्यु से पहले उन्होंने संचार लेकर मृत्यु को वरण किया।

माँ की स्मृति में पांच को भक्तामर पाठ का आयोजन

पोषण भवन में साध्वी प्रमोद कुंवर जी महाराज ठाणा तीन के सानिध्य में सांखला परिवार द्वारा अपनी माँ श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी स्व. इन्दरमल जी सांखला की पुण्य स्मृति में भक्तामर पाठ एवं नवकार महामंत्र का जाप 5 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। सांखला परिवार के तेजमल सांखला, डॉ. दीपक सांखला, अशोक सांखला और श्रेयांश सांखला द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पांच अगस्त को पोषद भवन में सुबह 9 से 9ः30 बजे तक साध्वी जी महाराज के व्याख्यान होंगे और सुबह 9ः30 बजे से भक्तामर पाठ का आयोजन रखा गया है। धर्म प्रेमियों से इस आयोजन में भाग लेने की अपील सांखला परिवार ने की है।

हो गया मुंडन महोत्सव...?

जनाब, अब अफवाहों का भी क्या कहना!
पहले लोग कहते थे—卐अक्ल बड़ी या भैंस?卐
अब नया सवाल—卐बाल बड़े या पंद्रह हजार?卐
किसी ने अधिकारी बन फोन पर ये कहा,
卐सरकार मुंडन करवाओ, इनाम पाओ!卐
बस यारों फिर क्या था,
नाई की दुकान पर भीड़ ऐसी लगी,
मानो सरकारी नौकरी का फॉर्म भरना हो।
नाई बोला—卐इतनी खुशी तो शादी के
सीज़न में भी नहीं मिली,
नाई की बांछे जमकर खिली, बोला—
卐आज तो कैंची भी ओवरटाइम मांग रही है!卐
जब सच्चाई सामने आई कि
न सरकार, न योजना, न तहसीलदार—
तब सबने सिर सहलाते हुए कहा,
卐चलो... बाल तो वापस आ जाएंगे,
पर भरोसा अगली बार थोड़ा देर से आएगा!卐
(संदर्भ - सलेम में अनजान कॉल और महिलाओं ने मुंडवा लिया सिर)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

स्वास्थ्य विभाग ने वर्षा ऋतु में फैलने वाली वेक्टर जनित रोग नियंत्रण हेतु जनसामान्य को जारी की एडवाईजरी

भिण्ड, जीएनएस। कलेक्टर भिण्ड के निर्देशन में वर्तमान में वर्षा ऋतु में फैलने वाली वाहक जनित रोगों से बचाव हेतु आम जनसामान्य को एडवाईजरी जारी की गई, जिसमें राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनियां नियंत्रण हेतु फीवर सर्वे एवं लार्वा सर्वे एवं लर्वा विनष्टिकरण का कार्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा घर-घर जाकर किया जा रहा है। मानसून के पश्चात् जगह-जगह जल स्त्रोत बन जाने तथा लोगों के घरों के आस-पास जमा पानी होने से मच्छरों की उत्पत्ति बढ़ जाती है। जिसके कारण डेंगू/ चिकुनगुनियां जैसे रोगों के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। वर्तमान समय में डेंगू एक गम्भीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरा है। डेंगू एडीज सफेद धारियां युक्त होता है इसे टाइगर मच्छर के नाम से भी जाना जाता है।

डेंगू बुखार के लक्षण जैसे तेज बुखार के साथ तेज सिरदर्द, मांसपेशियों, जोड़ों में दर्द, ऑखों के पीछे दर्द, शरीर पर लाल चकत्ते होना, गम्भीर अवस्था में नाक, मसूड़ों से खून आना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। उपरोक्त लक्षणों के साथ बुखार आने पर तुरंत नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य संस्था में जाकर चिकित्सक से इलाज कराऐं, बुखार के दौरान मरीजों को लगातार अधिक से अधिक पानी, फलों का जूस, चावल का पानी, ओ.आर.एस. का घोल पिलाऐं। मरीज को एस्प्रिन, सेलीसिलेट ग्रुप, अथवा अन्य कोई दर्द निवारक दवा बिना चिकित्सीय परामर्श के न दी जाये। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. यादव एवं जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. शिवराम सिंह कुशवाह ने जनसमुदाय से अपील की है कि डेंगू से बचाव हेतु सावधानियां बरती जाना अति आवश्यक हैं जैसे मच्छरों से बचने के लिए पूरे बांह के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। सोते समय मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती, रैपिलेंट आदि का उपयोग करें। घर के आस-पास गड्ढों में पानी जमा न होने दें। यदि गड्ढे का पानी निकासी किया जाना संभव न हो तो जला हुआ ऑयल अथवा मिट्टी का तेल डाल दें, घर में पानी से भरे हुए बर्तन, टंकी, मटका, बाल्टी आदि को अच्छी तरह से ढ़ंककर रखें घर के अंदर रखे कूलर, टंकी, मटका, बाल्टी आदि का पानी तीन से चार दिन में बदलते रहें, तथा सुखाकर ही दुबारा भरें, पानी में छोटे-छोटे कीड़े (लार्वा) दिखाई दें तो सूखी जगह पर पानी को फैला दें। यह भी सावधानी रखें कि परिवार के किसी व्यक्ति को डेंगू बुखार आने पर आवश्यक रूप से मच्छरदानी में ही सुलाऐं, अन्यथा घर के अन्य सदस्यों को डेंगू का संक्रमण हो सकता है।

दतिया उपचुनाव हार की समीक्षा करेगी भाजपा की दो सदस्यीय समिति

भोपाल। दतिया विधानसभा उपचुनाव में मिली हार के बाद भाजपा ने परिणामों की समीक्षा के लिए दो सदस्यीय समिति का गठन किया है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश महामंत्री गौरव रणदीवे और वरिष्ठ नेता अंबाराम कराड़ा को समिति का सदस्य बनाया है। समिति चुनाव से जुड़े पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर हार के कारणों का विश्लेषण करेगी तथा अपनी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष को सौंपेगी।

कुंडलपुर यात्रा में 200 जैन समाज के लोगों दो बसो से जयकारों के साथ रवाना हुए

ग्वालियर, जीएनएस। युवा जैन मिलन फोर्ट, दिगंबर वासुपूज्य जैन मंदिर कमेटी एवं जैन मंदिर महिल मंडल की ओर से आज धार्मिक तीर्थ यात्रा कुंडलपुर के लिए जैन समाज के लोगों जयकारों के साथ रवाना हुए। यहां यात्रा इंद्रध्वज महामंडल विधान के सफल आयोजन के अवसर पर तीर्थ कुंडलपुर के लिए धार्मिक यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में 200 जैन समाज के लोगों दो बसो से जयकारों के साथ रवाना हुए। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि बसों को रवाना पचरंगी जैन ध्वजा दिखाकर मंदिर समिति के अध्यक्ष सतीशचंद्र जैन ठेकेदार, मंत्री नेमीचन्द्र जैन, सुरेंद्र

जैन ओर राजेंद्र जैन ने दिखाकर जयकारों के साथ रवाना हुई। अतिथियों का स्वागत युवा जैन मिलन फोर्ट के अध्यक्ष अभिषेक जैन, सचिव देव जैन, कोषाध्यक्ष अक्षत जैन, पकज जैन, गौरव जैन ने तिलक ओर दुपट्टा उड़कर स्वागत सम्मान किया। यहां यात्रा ग्वालियर से कुंडलपुर, कुंडलपुर से वीरागोदय, वीरागोदय से नैनागिरी ओर नैनागिरी से ग्वालियर वापस लौटेगी। जैन समाज के लोग कुंडलपुर पहुंचने पर पहाड़ की वंदना के साथ अभिषेक ओर शांतिधारा ने साथ पूजन अर्चना के साथ महामंडल विधान करेंगे।

लहार में पच देकर बाइक से लौट रहे युवको को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

लहार। लहार नगर के जनकपुरा मोहल्ला में अपने रिस्तेदारों के यहां पच देकर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी,लहार से दतिया की ओर जा रहे दो युवकों की बाइक गौरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में आकाश और सुमित नामक दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए,घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची,श्रश्ह्ल मनीष नायक और ड्राइवर केश कुमार की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार देकर लहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।अस्पताल में दोनों का उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली कटौती के विरोध में DGM को सौंपा ज्ञापन, 10 दिन का अल्टीमेटम

लहार। लहार विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती एवं किसानों को आ रही विद्युत संबंधी समस्याओं के विरोध में मंगलवार को सचिव मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुरुद्ध प्रताप सिंह के नेतृत्व में बिजली विभाग के ष्ठत्ररूको ज्ञापन सौंपा गया है ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती, किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिलने तथा आमजन को हो रही परेशानियों की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली व्यवस्था में शीघ्र सुधार की मांग की गई है। अनुरुद्ध प्रताप सिंह ने बिजली विभाग को 10 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि आगामी 10 दिनों में लहार क्षेत्र के किसानों एवं आमजन को सुचारु रूप से बिजली उपलब्ध नहीं कराई गई, तो इसके बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा बिजली समस्या के विरोध में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

05 अगस्त को पोरसा में दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण चिन्हांकन एवं वितरण शिविर, पात्र हितग्राहियों से अधिकाधिक लाभ लेने की अपील

पोरसा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला मुरैना के निर्देशन में एडिप (छ्ठ्ढक्क) योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए 05 अगस्त 2026 (बुधवार) को जनपद पंचायत परिसर, पोरसा में निःशुल्क चिन्हांकन एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री देवेंद्र राजोरिया ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। शिविर में व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों के लिए पात्र दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया जाएगा।

कचरे के ढेर से 'वंडरलैंड' तकः ग्वालियर सफारी की अनूठी कहानी

किला तलहटी में दहाड़ती मुद्रा में खड़े हैं वनराज तो शरारती मुद्रा में अन्य वन्य जीव

ग्वालियर, जीएनएस। ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग की तलहटी में दहाड़ती मुद्रा में खड़े वनराज शेर तो बड़े-बड़े दांतों के साथ जबड़ा खोले डायनासोर व लपकता सा मगरमच्छ । धीर गंभीर कछुआ तो शरारती मुद्रा में भालू व चिंपांजी। चलने को तैयार रेगिस्तान के जहाज यानि ऊँट व मदमस्त विशालकाय गजराज। शांत मुद्रा में पैंगुइन परिवार की मस्ती तो सतरंगी पंख फैलाकर मनभावन नृत्य करता राष्ट्रीय पक्षी मोर। यह किसी हॉलीवुड या बॉलीवुड फिल्म का दृश्य नहीं, ग्वालियर नगर निगम का अभिनव नवाचार ÷ग्वालियर सफारी ङ्क वेस्ट टू वंडर÷ है। जिसने कबाड़ को कल्पना, कला और पर्यावरण संरक्षण के अद्भुत संगम में बदल दिया है। इस अनूठी आर्टिफिशियल स्क्रैप जंगल सफारी में दुर्लभ और विलुप्त हो चुके जीव-जंतु कबाड़ से जीवंत होकर खड़े हैं और हर आने वाले को हैरान कर देते हैं।

ग्वालियर किले की तलहटी में सफारी के रूप में हुए प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप किए गए इस सफल नवाचार की सफलता की गवाही, पहले-बाद की तस्वीरें खुद देती हैं। जहां कभी मलबे के ढेर, अस्त-व्यस्त झौंपड़ियां और उजाड़ जमीन नजर आती थी, वहां अब हरे-भरे घुमावदार रास्ते, शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाती फिजा और सैलानियों की रौनक दिखाई देती है। आज यह जगह ग्वालियर की शान बन चुकी है। नाम है ÷ग्वालियर सफारी - वेस्ट टू वंडर÷।

किले के साये में कबाड़ से कला तक का सफर

नगर निगम के कबाड़ खाने में वर्षों से बेकार पड़े लगभग 150 टन से अधिक स्क्रैब लोहे को नया जीवन देकर किला तलहटी में 2.5 एकड़ में यह सफारी तैयार की गई है। कलाकारों ने कबाड़ से ऐसे विशालकाय वन्य जीवों के शिल्प

गढ़े हैं, जिन्हें देखकर पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता है कि ये लोहे के बेकार टुकड़ों से बने हैं। इस सफारी में सबसे बड़ी खासियत है वन्य जीवों की 14 विशाल स्कल्पचर (मूर्तियां) । हर मूर्ति इतनी बारीकी से गढ़ी गई है कि दूर से देखने पर असली जानवर होने का भ्रम होता है। सर्कुलर इकॉनमी की इस जीती-जागती मिसाल ने कचरे को चमत्कार में बदल दिया है।

जहां पत्थर भी हरे हो गए

सिर्फ मूर्तियां ही नहीं, इस जमीन की मिट्टी भी बदल गई है। सफारी परिसर में 600 से अधिक स्थानीय प्रजाति के पेड़ रोपे गए हैं। साथ ही जंगल जैसा आभास कराने के लिये करीब 3,000 झाड़ियां-पौधे भी लगाए गए हैं। सफारी की दीवारों पर लहराती बोगनवेलिया ने इस जगह में अलग ही रंग भर दिए हैं तो लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स की सूझबूझ ने हर मोड़ को कुछ इस तरह गढ़ा है कि यहां घूमते हुए किसी असली सफारी में होने का एहसास होता है। हरियाली और स्क्रैप कला का यह संगम आगुंतकों को प्रकृति के और करीब ले जाता है।

आकर्षण भी, आने वाली पीढ़ी की जागरूकता भी और आमदनी भी

सफारी में स्थापित शेर, हाथी, गेंडा, जिराफ, डायनासोर एवं अन्य दुर्लभ वन्य जीवों के विशाल स्कल्पचर इतनी बारीकी और वास्तविकता के साथ बनाए गए हैं कि हर आगुंतक छिटककर उन्हें अपने कैमरे में कैद करना चाहता है। यह स्थान अब केवल घूमने की जगह भर नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण और री-साइकलिंग का जीवंत संदेश देने वाला ÷ईको-कल्चर डेस्टीनेशन÷ बन चुका है। अब तक इस सफारी ने सिर्फ प्रवेश टिकटों के जरिए नगर निगम के खजाने में करीब 10 लाख रुपये जमा किए हैं। यानि एक उपेक्षित जमीन अब कमाई का जरिया भी बन चुकी है। रोजाना औसतन 150 से ज्यादा पर्यटक यहां का रुख करते हैं। वीकेंड पर सैलानियों की भीड़ 500 के पार पहुंच जाती है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाह है। दिल छू लेने वाली बात यह है कि शहर और आसपास के सरकारी-निजी स्कूलों के 8,000 से ज्यादा नन्हे विद्यार्थी अब तक इस सफारी में मौज मस्ती व अपना ज्ञानवर्धन करने आ चुके हैं। फिलहाल यहां एक कैंटीन बनाने की योजना पर काम चल रहा है। जाहिर है इस प्रकार की सुविधायें बढ़ने से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और निगम की आमदनी भी।

सकारात्मक संदेश भी दे रही है सफारी

÷ग्वालियर सफारी - वेस्ट टू वंडर÷ सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह एक संदेश भी है कि इच्छाशक्ति हो तो कचरा भी कला बन सकता है। साथ ही उपेक्षित जमीन शहर की शान बन सकती है। टिकाऊ शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक गौरव का यह जीवंत उदाहरण आज ग्वालियर की पहचान बनकर उभरा है। साथ ही देशभर के शहरों के लिए एक प्रेरणा भी।

शिवपुरी में 7 अगस्त को होगी जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता-2026, 226 विद्यार्थी लेंगे हिस्सा

शिवपुरी, जीएनएस। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के तत्वावधान में स्कूली विद्यार्थियों में प्रदेश के पर्यटन, कला-संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के अध्यक्ष अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में यह प्रतियोगिता 07 अगस्त 2026, शुक्रवार को आयोजित होगी।

प्रतियोगिता का आयोजन पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नवीन भवन स्थित सेमिनार हॉल में किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी होंगे शामिल

नोडल अधिकारी सौरभ गौड़ ने बताया कि इस क्विज प्रतियोगिता में शिवपुरी जिले के शासकीय, अशासकीय, केंद्रीय विद्यालय एवं सीबीएसई से संबद्ध पूर्व से पंजीकृत स्कूलों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के कुल 226 चयनित विद्यार्थी भाग लेंगे। प्रत्येक स्कूल से 3 विद्यार्थियों की एक टीम बनाई गई है। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रतियोगिता स्थल पर प्रातः 8 बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है।

प्रतियोगिता का मुख्य विषय मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल, कला-संस्कृति, आध्यात्मिक स्थल, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहरों पर आधारित रहेगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने प्रदेश को करीब से जानने और समझने का अवसर मिलेगा।

दो चरणों में होगी प्रतियोगिता

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे से 2֊30 बजे तक मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

मूल्यांकन के बाद टॉप 6 टीमों का चयन किया जाएगा, जिनके बीच दूसरे चरण में मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन होगा। यह मल्टीमीडिया क्विज दोपहर 2֊30 बजे से शाम 4֊30 बजे तक चलेगी। इसके पश्चात शाम 4֊30 बजे से 5֊30 बजे तक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इससे पहले सुबह 9 बजे सभी विद्यार्थियों को रोल नंबर एवं कक्ष का आवंटन किया जाएगा।

विजेताओं को मिलेगा टूर पैकेज और राज्य स्तर पर जाने का मौका प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रथम तीन विजेता टीमों को मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से आकर्षक टूर पैकेज देकर पुरस्कृत किया जाएगा। जिले की प्रथम विजेता टीम को भोपाल में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जहां वह प्रदेश भर की टीमों के साथ मुकाबला करेगी।

प्रशासन द्वारा सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के लिए स्थल पर ही नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई है, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जिले के सभी संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों और प्रतियोगी छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रतियोगिता स्थल पर अनिवार्य रूप से पहुंचे।

प्रतियोगिता से संबंधित अधिक जानकारी के लिए नोडल अधिकारी सौरभ गौड़ के मोबाइल नंबर 7000653045 पर संपर्क किया जा सकता है।

भिंड के युवा कलाकार भूपेंद्र चौहान ने बढ़ाया जिले का मान

भिंड, जीएनएस। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माय भारत द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भिंड जिले के युवा कलाकार एवं आर्यावर्ती संस्कृति संगम के उपाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान का चयन 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होने के लिए किया गया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर माय भारत केन्द्र भिंड ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

कि 1 जून से 15 जुलाई 2025 के दौरान माय भारत पोर्टल पर आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में भूपेंद्र चौहान ने अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विजेता के रूप में स्थान प्राप्त किया। उनकी रचनाओं में राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति तथा सामाजिक जागरूकता के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई।

इस उपलब्धि के फलस्वरूप उन्हें 15 अगस्त को लाल किला, नई दिल्ली में आयोजित 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह सम्मान न केवल भूपेंद्र चौहान की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भिंड जिले एवं मध्यप्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है।

इस अवसर पर माय भारत केन्द्र भिंड ने कहा कि भूपेंद्र चौहान की सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनकी उपलब्धि यह दर्शाती है कि प्रतिभा, समर्पण और निरंतर प्रयास के साथ माय भारत द्वारा युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के अनेक अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

माय भारत केन्द्र भिंड ने जिले के सभी युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कर विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, स्वयंसेवी गतिविधियों, नेतृत्व विकास कार्यक्रमों, कौशल विकास अभियानों एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करें। माय भारत से जुड़कर युवाओं को भूपेंद्र चौहान जैसी उपलब्धियाँ प्राप्त करने तथा राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिल सकते हैं।

सावन के झूले और मल्हार की परंपरा होती जा रही है विलुप्त, मोबाइल संस्कृति ने बढ़ाई दूरियां

राधा कृष्ण गुप्ता

पोरसा। सावन का महीना भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और पारिवारिक मेल-मिलाप का प्रतीक माना जाता है। कभी इस मौसम में विवाहित बेटियां मायके आती थीं, अपनी पुरानी सहेलियों से मिलती थीं और गांव के बगीचों में पेड़ों पर पड़े झूलों का आनंद लेती थीं। चारों ओर गूंजते मल्हार गीत, हंसी-ठिठोली और पारंपरिक उत्सव सावन की पहचान हुआ करते थे। लेकिन बदलते समय, आधुनिक जीवनशैली और मोबाइल फोन की बढ़ती निर्भरता के कारण यह समृद्ध परंपरा धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है।

बुजुर्गों का कहना है कि पहले सावन के दौरान गांवों में नीम, पीपल, बरगद और आम के पेड़ों पर झूले डाले जाते थे। महिलाएं और युवतियां समूह बनाकर झूला झूलती थीं, लोकगीत और मल्हार गाती थीं तथा एक-दूसरे के साथ सुख-दुख साझा करती थीं। इससे रिश्तों में आत्मीयता बढ़ती थी और सामाजिक एकता भी मजबूत होती थी।

सावन के झूले से होने वाले लाभ

सावन में झूला झूलना केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी माना जाता है।

- झूला झूलने से शरीर का संतुलन बेहतर होता है।
- हाथ, पैर, कमर और कंधों की मांसपेशियों का प्राकृतिक व्यायाम होता है।
- शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है।
- खुली हवा और हरियाली के बीच समय बिताने से मानसिक तनाव कम होता है।
- प्रकृति के संपर्क में रहने से मन प्रसन्न रहता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।
- परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने से सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं।

मल्हार गीतों का महत्व

सावन में गाए जाने वाले मल्हार गीत केवल लोकसंगीत नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अमूल्य हिस्सा हैं। समूह में गीत गाने से मन प्रसन्न रहता है, तनाव कम होता है और आपसी प्रेम व अपनापन बढ़ता है। संगीत का सकारात्मक प्रभाव मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जिससे व्यक्ति भावनात्मक रूप से अधिक संतुलित महसूस करता है।

आधुनिक दौर की चुनौती

आज अधिकांश लोग अपना खाली समय मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और डिजिटल मनोरंजन में बिताने लगे हैं। इसके कारण पारंपरिक खेल, लोकगीत, झूले और सामूहिक सांस्कृतिक गतिविधियां लगातार कम होती जा रही हैं। नई पीढ़ी इन परंपराओं से दूर होती जा रही है, जिससे हमारी सांस्कृतिक विरासत भी प्रभावित हो रही है।

परंपराओं को बचाने की जरूरत

सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारों का मानना है कि यदि सावन के झूले, मल्हार प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारिवारिक मिलन जैसी परंपराओं को फिर से बढ़ावा दिया जाए, तो नई पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ सकेगी। इससे न केवल हमारी लोक परंपराएं जीवित रहेंगी, बल्कि लोगों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से भी लाभ मिलेगा।

सावन केवल एक ऋतु नहीं, बल्कि प्रेम, प्रकृति, परिवार, संस्कृति और लोकजीवन का उत्सव है। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को इन परंपराओं से जोड़ेंगे, तभी हमारी सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित रह सकेगी

पुल निर्माण के बाद बढ़ी समस्या, स्थायी जल निकासी व्यवस्था की मांग; समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

लक्कड़ खाना-मुंशियों मोहल्ला में जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

ग्वालियर जीएनएस

लक्कड़ खाना, मुंशियों मोहल्ला एवं दरगाह क्षेत्र में लगातार हो रहे जलभराव से स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। जन समस्या निवारण समिति ने आरोप लगाया है कि लक्कड़ खाना पुल के निर्माण के बाद वर्षा जल की निकासी की व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिसके कारण बारिश के दौरान कई घरों में करीब तीन-तीन फीट तक पानी भर गया। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ दैनिक जीवन में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जन समस्या निवारण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन सिंह माहौर ने बताया कि पुल निर्माण के दौरान सड़क का समतलीकरण और जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं की गई। पुल के आसपास अतिक्रमण, पुराने जल निकासी मार्ग बंद होने तथा पाइपलाइन को अपेक्षाकृत ऊंचाई पर डाले जाने के कारण बारिश के पानी की निकासी बाधित हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुल बनने के बाद क्षेत्र में जलभराव की समस्या पहले की तुलना में और गंभीर हो गई है।

पहले भी किया था आंदोलन : समिति के अनुसार लक्कड़ खाना नाले की समस्या को लेकर पूर्व में भी आंदोलन किया जा चुका है। समिति के अध्यक्ष मोहन सिंह माहौर ने जिला प्रशासन के समक्ष भूख हड़ताल की थी। प्रशासन की ओर से समस्या के समाधान का आश्वासन दिए जाने के बाद भूख हड़ताल समाप्त की गई थी। इस दौरान महापौर, जनप्रतिनिधियों, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और क्षेत्रीय नागरिकों सहित कई लोगों ने धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया था।

समिति का कहना है कि लक्कड़ खाना पुल के निर्माण से पहले ही उसने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और समाचार पत्रों के संपादकों को क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया था तथा पुराने दस्तावेज और फोटो भी उपलब्ध कराए थे। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। वर्तमान स्थिति में बारिश का पानी जल निकासी मार्गों के बजाय लोगों के घरों में भर रहा है।

तकनीकी परीक्षण और अतिक्रमण हटाने की मांग : जन समस्या निवारण समिति ने संभागीय आयुक्त, जिलाधीश एवं नगर निगम आयुक्त से लक्कड़ खाना पुल से दरगाह तक स्थल निरीक्षण कराकर जल निकासी व्यवस्था का तकनीकी परीक्षण कराने की मांग की है। समिति ने पुल के आसपास से अतिक्रमण हटाने, सड़क का समतलीकरण कराने, पुराने जल निकासी मार्ग एवं गेटों को पुनः प्रभावी बनाने तथा पाइपलाइन की स्थिति का तकनीकी परीक्षण कराने की मांग की है।

समिति ने कहा कि यदि जलभराव की समस्या का शीघ्र और स्थायी समाधान नहीं किया गया तो स्थानीय नागरिकों के साथ लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

सावन में गायत्री प्रज्ञा पीठ में शिव अभिषेक और रुद्र महायज्ञ

ग्वालियर जीएनएस

सावन माह के पवित्र अवसर पर अच्छी वर्षा और राष्ट्र कल्याण की कामना से गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू में प्रतिदिन शिव अभिषेक एवं रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में गायत्री परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में शामिल होकर सेवा कार्य कर रहे हैं।

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू के ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान ने बताया कि सावन माह में प्रतिदिन शिव अभिषेक एवं रुद्र महायज्ञ के माध्यम से सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और राष्ट्र कल्याण की कामना की जा रही है। गायत्री परिवार के सदस्य पूरे उत्साह के साथ आयोजन में सहभागिता कर रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण का भी दिया संदेश : धार्मिक आयोजनों के साथ गायत्री परिवार की ओर से पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को भितरवार स्थित पटियावाला पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां 51 पौधे रोपे गए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और पौधों की देखभाल का संकल्प भी लिया गया।

गायत्री परिवार के पदाधिकारियों ने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भी समाज की जिम्मेदारी है। पौधारोपण के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

महाराजपुरा पुलिस ने 315 बोर का देशी कट्टा और जिंदा राउंड किया जब्त

वारदात की नीयत से कट्टा लेकर खड़ा था बदमाश, पुलिस ने दबोचा

ग्वालियर जीएनएस

महाराजपुरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा राउंड बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध हथियार रखने और उनकी खरीद-फरोख्त करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूर्व डॉ. शिवेश सिंह बघेल के निर्देशन और सीएसपी महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक यशवंत गोयल ने पुलिस टीम को बदमाशों की धरपकड़ के लिए लगाया था।

मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस : 2 अगस्त को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रामनगर के पीछे कच्ची गली, आदित्यपुरम में एक युवक 315 बोर का कट्टा लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही युवक भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विशाल भदौरिया (19), निवासी गुरुकृपा नगर, मदर टच स्कूल के पास आदित्यपुरम बताया। तलाशी लेने पर उसकी कमर में 315 बोर का देशी कट्टा और पेंट की जेब से एक जिंदा राउंड बरामद हुआ।

पुलिस ने हथियार जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना महाराजपुरा में अपराध क्रमांक 446/26, धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी से हथियार के संबंध में पूछताछ कर रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका : कार्रवाई में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक यशवंत गोयल, प्रधान आरक्षक विमल सिंह तोमर, आरक्षक अनार सिंह, धर्मेंद्र गुर्जर और शैलेंद्र सिंह तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जब्त हथियार : 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा राउंड।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें लंबित रखने पर छह अधिकारियों को नोटिस

ग्वालियर जीएनएस

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का तय समय सीमा में निराकरण नहीं करने और सौंपे गए कार्यों में लापरवाही बरतने पर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने छह अधिकारियों-कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए हैं।

निगम के अनुसार प्रभारी कार्यपालन यंत्री राजीव सिंघल द्वारा पांच सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को अटेंड नहीं किया गया। इसी तरह उपयंत्री जलप्रदाय/सीवर संदीप श्रीवास्तव द्वारा 12 शिकायतों का समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया।

उपयंत्री जलप्रदाय/सीवर आदित्य पांडेय के स्तर पर 64 शिकायतें लंबित पाई गईं, जबकि प्रभारी उपयंत्री जलप्रदाय/सीवर शिवेंद्र सिंह जादौन द्वारा 13 शिकायतों का निराकरण नहीं किया गया। वहीं कार्यरत नोडल अधिकारी जनकल्याण प्रशांत बरैया के स्तर पर एक शिकायत 100 दिन से अधिक समय से लंबित पाई गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर कराई जल निकासी, कई इलाकों में राहत

बारिश के बाद जलभराव वाले स्थानों पर दौड़ा निगम अमला

ग्वालियर जीएनएस

शहर में मंगलवार को बारिश के बाद कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हुई। सूचना मिलते ही नगर निगम का अमला सक्रिय हुआ और विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था कराई। निगम अधिकारियों और कर्मचारियों ने पंप एवं अन्य संसाधनों की मदद से पानी निकालकर लोगों को राहत पहुंचाई।

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बारिश के बाद कहीं भी जलभराव की सूचना मिलती है तो तत्काल मौके पर पहुंचकर जल निकासी कराई जाए, ताकि आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी के तहत सभी विधानसभा क्षेत्रों में सहायक यंत्री, उपयंत्री, स्वास्थ्य अधिकारी और सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अलर्ट रहे। सूचना मिलते ही संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और जल निकासी की व्यवस्था कराई।

इन क्षेत्रों में कराई जल निकासी : निगम के अनुसार विवेक विहार, सचिन तेंदुलकर मार्ग, गोले का मंदिर, बाल भवन, सब्जी मंडी वार्ड-52, चौरसिया कॉलोनी, तरुण पुष्कर के सामने, छप्पर वाला पुल, डीबी मॉल के सामने, किलागेट सराफा बाजार, वार्ड-21 मरघट रोड नाला, तारागंज कलारी के पास, पुरानी सब्जी मंडी हजीरा, ट्रांसपोर्ट नगर नंबर-1 पार्किंग, शालुपुरा, हजीरा चौराहा, लक्कड़ खाना पुल, बाई साहब की परेड मार्ग, बजरंग कॉलोनी, शिवाजी नगर चुस्की वाली गली, चावड़ी बाजार, जनकगंज बख्शी की गोठ, जलालपुर, सिंधिया स्टेच्यू, अवाडपुरा और इंदिरा नगर की शकील वाली गली सहित अन्य स्थानों पर जल निकासी कराई गई।

निगम अधिकारियों ने बताया कि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। जहां से भी सूचना प्राप्त हो रही है, वहां तत्काल टीम भेजकर पानी की निकासी कराई जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।